मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शनिवार, 22 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण शुक्ल 10 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 339 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ पाकिस्तान से दशकों पहले आए विस्थापितों को भारतीय नागरिकता

पाकिस्तान से दशकों पहले आए विस्थापितों को भारतीय नागरिकता ◂◂ 6

रामगढ़ के इस्पात फैक्ट्री में ब्लास्ट

तीन इंजीनियरों की मौत, प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

एक गंभीर, ओवरहीटिंग बनी हादसे की वजह

मेट्रो रेज

रामगढ़: जिले से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। पतरातू प्रखंड के बरकाकाना ओपी क्षेत्र अंतर्गत हेहल स्थित मां छिन्नमस्तिका सीमेंट एंड इस्पात प्राइवेट लिमिटेड (स्पंज-आयरन फैक्ट्री) के पावर प्लांट में शुक्रवार की देर रात अचानक जोरदार धमाका (ब्लास्ट) हो गया। ब्लास्ट के तुरंत बाद प्लांट में भीषण आग लग गई। इस हादसे में तीन युवा इंजीनियरों की जलकर मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से झुलस गया है।

इन तीन लोगों की हुई जलकर मौत: संजीव कुमार केसरी (50 वर्ष): शिफ्ट इंचार्ज, निवासी- रांची (मृतक)

विनीत महतो (25 वर्ष): इंजीनियर, निवासी- जगेश्वर बिहार, बोकारो (मृतक)

अभिषेक पांडेय (24 वर्ष): इंजीनियर, निवासी- गढ़वा (मृतक)

तरुण रजवार: मजदूर, निवासी- हजारीबाग (गंभीर रूप से घायल, दि हॉप हॉस्पिटल , रांची रोड में भर्ती)

उत्पादन के दौरान मची अफरा-तफरी: नाइट शिफ्ट में जब पावर प्लांट साइट पर सामान्य रूप से उत्पादन का काम चल रहा था, तभी अचानक एक तेज धमाका हुआ और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। अचानक हुए इस हादसे से फैक्ट्री परिसर में काम कर रहे मजदूरों में भगदड़ मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। सूचना मिलने पर बरकाकाना ओपी पुलिस और फैक्ट्री प्रबंधन के लोग मौके पर पहुंचे। रामगढ़ से बुलाई गई 4-5 दमकल गाड़ियों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

प्रबंधन पर उठी उंगली, ओवरहीटिंग बनी हादसे की वजह: घटना के बाद फैक्ट्री के पावर प्लांट यूनिट इंचार्ज अनुराग त्रिपाठी ने सीधे तौर पर प्रबंधन की लापरवाही को हादसे का जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने बताया कि प्लांट में ओवरहीटिंग के कारण यह ब्लास्ट हुआ। तापमान को नियंत्रित रखने के लिए वहां एयर कंडीशनर लगाने की मांग बार-बार की जा रही थी, लेकिन प्रबंधन ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

ग्रामीणों का हंगामा और मुआवजा-नौकरी की मांग: घटना की खबर फैलते ही शनिवार सुबह से ही स्थानीय ग्रामीणों और परिजनों की भारी भीड़ फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर जमा हो गई है। गुस्साए लोग मृतकों के आश्रितों को उचित मुआवजा और स्थायी नौकरी देने की मांग को लेकर फैक्ट्री गेट को जाम कर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। फिलहाल मौके पर पुलिस बल तैनात है और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना के बाद राजधानी रांची में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, धमकी ई-मेल के जरिए भेजी गई है। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने फिलहाल इस मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। सूचना सामने आने के बाद रांची पुलिस के साथ सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं।

विधानसभा धमकी के बाद सीएमओ की सुरक्षा बढ़ाई गई : बताया जा रहा है कि झारखंड विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सचिवालय और मुख्यमंत्री कार्यालय परिसर की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में झारखंड जगुआर की बम डिस्पोजल एंड डिटेक्शन स्क्वॉड (बीडीडीएस) टीम को सचिवालय और सीएमओ परिसर में जांच के लिए बुलाया गया। बीडीडीएस टीम ने पूरे परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया। करीब चार घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा टीमों ने परिसर के अलग-अलग हिस्सों की जांच की। हालांकि, तलाशी के दौरान किसी भी तरह की संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु मिलने की जानकारी सामने नहीं आई है।

धमकी वाले ई-मेल की जांच शुरू: धमकी मिलने के बाद अब जांच एजेंसियों का फोकस ई-मेल के स्रोत और इसे भेजने वाले व्यक्ति की पहचान पर है। पुलिस की तकनीकी टीम ई-मेल से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि धमकी किस स्थान से भेजी गई, इसके पीछे कौन व्यक्ति या समूह है और धमकी कितनी गंभीर है। फिलहाल पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की जांच में जुटी हैं।

विधानसभा धमकी मामले में एफआईआर दर्ज: वहीं, झारखंड विधानसभा को धमकी दिए जाने के मामले में विधानसभा के एक पदाधिकारी की ओर से विधानसभा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए धमकी भेजने वाले के बारे में जानकारी जुटाने के लिए तकनीकी जांच शुरू कर दी है। विधानसभा को मिली धमकी के बाद पहले ही सुरक्षा एजेंसियों को सक्रिय किया गया था। अब मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़ी धमकी की सूचना सामने आने के बाद सचिवालय परिसर की सुरक्षा को और मजबूत कर दिया गया है।

ब्लू पॉन्ड में डूबने से युवक की मौत

रांची: राजधानी रांची के तुपुदाना थाना क्षेत्र अंतर्गत बाल सिरिंग स्थित ब्लू पॉन्ड में डूबने से युवक की मौत हो गई है। मृतक युवक की पहचान शाहिल कच्छप के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही तुपुदाना थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। युवक की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है। तुपुदाना थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को इस हादसे की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच की। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस तालाब में पहले भी हादसे हो चुके हैं। लेकिन प्रशासन द्वारा कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया जाता है जिसके कारण इस पौंड में लगातार हादसे होते हैं। हादसे होने के बाद प्रशासन हरकत में आती है उसके बाद भूल जाती हैं।

गिद्दी में पुलिस और राहुल दुबे गैंग के अपराधियों के बीच मुठभेड़, दो घायल

मेट्रो रेज

हजारीबाग: जिले के गिद्दी थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के पुलिस और राहुल दुबे गिरोह से जुड़े अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में दो अपराधी पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि उनका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर फरार हो गया। घायल अपराधियों की पहचान बादल कुमार और मोहित कुमार उर्फ पीटर के रूप में हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, हजारीबाग रेफर किया गया है।

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियानः पुलिस को सूचना मिली थी कि भुरकुंडा की ओर से राहुल दुबे गिरोह के कुछ अपराधी मोटरसाइकिल से गिद्दी थाना क्षेत्र के कोलियारी और ट्रांसपोर्ट रोड के आसपास किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने पहुंचने वाले हैं। सूचना के बाद गिद्दी थाना प्रभारी मो। इकबाल हुसैन और उरीमारी थाना प्रभारी रथू उरांव पुलिस बल व सशस्त्र जवानों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने पुराना कांटा घर रोड के पास वाहनों की सघन जांच शुरू की।

पुलिस को देखते ही भागने लगे अपराधीः शनिवार सुबह करीब 3:50 बजे भुरकुंडा की ओर से एक बाइक पर सवार तीन संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन वे बाइक मोड़कर भागने लगे। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इसके बाद तीनों अपराधी जंगल की ओर भागने लगे और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी के दौरान दो अपराधियों के पैर में गोली लगी, जिससे वे घायल होकर मौके पर गिर पड़े। वहीं, तीसरा अपराधी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा।

हथियार, गोलियां और धमकी भरा पर्चा बरामदः मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घटनास्थल की तलाशी ली। तलाशी के दौरान दो अवैध हथियार, जिंदा कारतूस, खोखा और धमकी से संबंधित पर्चा बरामद किया गया है। घायल दोनों अपराधियों को हिरासत में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। फरार अपराधी की तलाश में पुलिस आसपास के जंगलों में सर्च अभियान चला रही है। साथ ही पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और उसके आपराधिक नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

सीनियर का डांटना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं, सुसाइड की मंशा साबित करना जरूरी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी वरिष्ठ अधिकारी की ओर से अधीनस्थ कर्मचारी को फटकार लगाना, प्रशासनिक निर्देश देना, कारण बताओ नोटिस जारी करना या अनुशासनात्मक कार्रवाई करना अपने आप में आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध नहीं बनता। इसके लिए यह साबित करना जरूरी है कि आरोपी की मंशा अधीनस्थ को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने की थी और उसने ऐसा करने के लिए कोई ठोस कदम उठाया था। जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस नोंगमीकापम कोटिस्वर सिंह की पीठ ने यह टिप्पणी 2021 में हरिसाल वन क्षेत्र की रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर दीपाली चव्हाण की आत्महत्या से जुड़े मामले में की। पीठ ने पूर्व डिप्टी कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स विनोद शिवकुमार की अपील मंजूर करते हुए उनके खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले को खत्म कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के 24 सितंबर, 2025 के आदेश और अचलपुर सत्र न्यायालय के 24 अक्तूबर, 2024 के आदेश को रद्द कर दिया। अदालत ने शिवकुमार को मामले से बरी कर दिया है। बता दें कि दीपाली चव्हाण ने 25 मार्च, 2021 को हरिसाल स्थित अपने सरकारी आवास में अपनी सर्विस पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। अभियोजन पक्ष ने शिवकुमार पर उन्हें प्रताड़ित करने के आरोप लगाए थे। इनमें आधिकारिक फटकार, कारण बताओ नोटिस, अतिक्रमण हटाने और गांव के पुनर्वास से जुड़े काम देना, एससी-एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराने में कथित भूमिका और जंगल में ट्रेक करने के लिए मजबूर करना शामिल था।

चव्हाण ने आरोप लगाया था कि जंगल में ट्रेक करने के कारण उनका गर्भपात हुआ था। यह घटना अक्तूबर, 2020 की थी, जबकि उन्होंने मार्च, 2021 में आत्महत्या की। अदालत ने माना कि यह घटना आत्महत्या से पांच महीने से अधिक पहले की थी और अन्य आरोप भी काफी पुराने थे। इन नोट्स में उन्होंने शिवकुमार को कथित उत्पीड़न के लिए जिम्मेदार ठहराया था।

हजारीबाग के जीटी रोड़ पर मवेशियों से लदे 21 ट्रकों को पुलिस ने पकड़ा

पशुओं को बिहार से बंगाल भेजने का दावा

संवाददाता

हजारीबाग: शनिवार की सुबह बरही थाना क्षेत्र के करियातपुर नईटांड के पास जीटी रोड़ पर गश्ती के दौरान पुलिस ने मवेशियों से लदे 21 ट्रकों को रोका और जांच शुरू की। बताया गया कि सभी वाहनों में गोवंशीय पशु लदे हैं। ट्रकों के आगे और पीछे एनीमल कैरियर के बैनर लगे थे। बरही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर बिनोद कुमार ने बताया कि वाहनों को रोककर जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

जांच के क्रम में पशुओं के सुरक्षित रखरखाव के लिए बरकट्ठा पुलिस के सहयोग से फिलहाल उन्हें घंगरी में उतारकर रखा जा रहा है। पुलिस पशु व परिवहन से संबंधित दस्तावेजों की जांच के साथ यह भी सत्यापित कर रही है कि पशु दुधारू हैं या अवैध तरीके से ले जाए जा रहे हैं। इधर, पशु मालिकों ने पुलिस को बताया कि वे बिहार के काराकाट मवेशी मेला से बंगाल के विभिन्न खटालों के लिए पशु ले जा रहे हैं। उनके अनुसार, 20 ट्रकों में भैंस व उनके बच्चे तथा एक ट्रक में गाय व उनके बछड़े हैं। उनके पास मेला से खरीद के कागजात, टैक्स जमा करने के प्रमाण और परिवहन संबंधी दस्तावेज हैं।

पशु मालिकों के साथ एक महिला अधिवक्ता भी कार से चल रही हैं, जो प्रशासन को आवश्यक कानूनी जानकारी दे रही है, हालांकि जिसे महिला अधिवक्ता बताया जा रहा है वह पत्रकारों को बयान देने से इंकार की। वहीं पुलिस ने बरही पशुपालन विभाग के कर्मी को भी जांच के लिए बुलाया है। पुलिस सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर, मवेशियों से लदे 21 ट्रकों का काफिला रोके जाने की घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

आईफोन की ज़िद में तबाही...

आई फोन न मिलने पर 500 फीट ऊंची पहाड़ी से कूदा 19 साल का लड़का, पीछे से मां-बाप ने भी दी जान

संभाजीनगर : महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) के वालुज एमआईडीसी स्थित तिसगांव इलाके में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। नया आईफोन न दिलाने से नाराज होकर 19 वर्षीय कुणाल चांगगुडे खावड़ा पहाड़ी की चोटी पर चढ़ गया। बेटे को बचाने और समझाने पहुंचे माता-पिता की आंखों के सामने पूरा परिवार तबाह हो गया। इस हादसे में पिता मुरलीधर (48), मां संगीता और बेटे कुणाल तीनों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, दुखद घटनाओं का सिलसिला सुबह करीब 10 बजे शुरू हुआ, जब कुणाल नए मोबाइल फोन की अपनी मांग को लेकर माता-पिता से बहस के बाद नाराज होकर इलाके की एक पहाड़ी पर चढ़ गया। बेटे की सुरक्षा को लेकर चिंतित मुरलीधर और संगीता भी पहाड़ी की चोटी पर उसके पीछे गए। उन्होंने उसे समझाने और घर वापस लाने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही हालात ऐसे हो गए कि उसे बचाने की कोशिशें शुरू करनी पड़ीं। हालात की जानकारी मिलने के बाद पुलिस, स्थानीय ग्रामीण और फायर ब्रिगेड के कर्मचारी भी मौके पर पहुँचे।

घंटो तक समझाने की कोशिश, लेकिन लड़का पहाड़ी से कूदने पर अड़ा रहा: उसके माता-पिता और फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने लगभग 400-500 फुट ऊंची पहाड़ी के नीचे एक सेफ्टी नेट लगाने की कोशिश की ताकि गिरने से होने वाली मौत को रोका जा सके।

हालांकि, सीनियर पुलिस अधिकारी रामेश्वर गाडे के मुताबिक, नेट देखने के बाद कुणाल बार-बार पहाड़ी के किनारे अपनी जगह बदलता रहा, जिससे बचाव दल के लिए उस तक पहुँचना या सेफ्टी इक्विपमेंट को सही ढंग से लगाना मुश्किल हो गया। पुलिसकर्मियों ने भी टीनएजर को अपना फैसला बदलने और सुरक्षित वापस आने के लिए मनाने की कोशिश की। गाडे ने कहा, 21 अगस्त को खबर मिली कि खवड़ा पहाड़ी पर एक व्यक्ति आत्महत्या करने वाला है। हमारे लोगों ने उसका मन बदलने की कोशिश की।

पिता ने बेटे को बचाने की कोशिश की, दोनों गिर पड़े: दोपहर करीब 1 बजे हालात ने दुखद मोड़ ले लिया, जब मुरलीधर अपने बेटे को समझाने और उसे यह खतरनाक कदम उठाने से रोकने के लिए उसके करीब गए। इसके बाद कुणाल खड़ी पहाड़ी से कूद गया और उसके पिता ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की। इस दौरान दोनों का संतुलन बिगड़ गया और वे पहाड़ी की चोटी से नीचे गिर पड़े।

बिहार में सड़क हादसा : आर्केस्ट्रा देख रहे लोगों को अनियंत्रित बस ने कुचला, पांच की मौत

बेतिया: पश्चिम चंपारण जिले के लौरिया थाना क्षेत्र के बसवरिया पराउटोला पंचायत के बनकटवा मध्य विद्यालय के पास शुक्रवार रात करीब 11 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। छठियार कार्यक्रम के दौरान सड़क किनारे आयोजित आर्केस्ट्रा देख रहे लोगों को एक बस ने कुचल दिया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गयी, जबकि करीब एक दर्जन लोग घायल हो गये। घायलों में कई की हालत गंभीर बतायी जा रही है। सभी घायल बनकटवा और बसवरिया गांव के निवासी बताए गए हैं। बसवरिया, परसौनी टोला पंचायत क्षेत्र में आता है।

गोरखपुर से बेतिया आ रही थी बसः हादसा शुक्रवार रात करीब 11 बजे हुआ। गोरखपुर से बेतिया आ रही शाही ट्रैवल्स की बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे छठीहार कार्यक्रम में आर्केस्ट्रा देख रहे लोगों को कुचलते हुए निकल गयी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गयी। इलाके में आक्रोश और मातम, मची है चीख पुकारः घटना के बाद इलाके में मातम का माहौल है। हादसे में मृतकों और घायलों की संख्या को लेकर प्रशासनिक स्तर से विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

समाचार सार

छठ तालाब में नहाने के दौरान डूबने से युवक की मौत

चतराः शहर के छठ तालाब में शुक्रवार को नहाने के दौरान डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक शशि मुंडा (30) पिता स्व. सरयू मुंडा शहर के धंगर टोली मुहल्ला का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार शशि मुंडा तालाब में नहाने गया था। इसी दौरान वह तालाब के गहरे पानी में चला गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ तालाब के पास जुट गयी। घटना के बाद सदर थाना के एएसआई प्रवीण कुमार दल बल के साथ वहां पहुंचे और मामले की जानकारी ली। इस बीच सूर्या क्लब के स्थानीय गोताखोर सतीश उर्फ अक्कू ने तालाब में उतरकर काफी मशक्कत के बाद शव बाहर निकाला। परिजन शव देख दहाड़ मारकर रोने लगे, जिससे माहौल गमगीन हो गया। बताया गया कि शशि मुंडा थोड़ा मानसिक रूप से कमजोर है।पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चतरा के शौर्यजीत मौर्य ने ताइक्वांडो स्टेट चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

चतराः जिले के 9 वर्षीय बालक शौर्यजीत मौर्य पिता कुंदन जीत मौआर ग्राम लिपदा ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर ताइक्वांडो के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए स्टेट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर चतरा जिले का नाम रोशन किया है।शौर्यजीत मौर्य दिल्ली के प्रतिष्ठित एयर फोर्स सेकेंडरी स्कूल के छात्र हैं और उन्होंने विद्यालय की ओर से ताइक्वांडो स्टेट चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। महज 9 वर्ष की उम्र में उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।शौर्यजीत की इस उपलब्धि से उनके परिवार, विद्यालय के शिक्षकों एवं चतरा जिले के लोगों में खुशी का माहौल है। उनकी सफलता पर परिजनों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।शौर्यजीत की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और विद्यालय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि चतरा जिले के लिए भी गौरव की बात है। कम उम्र में खेल के प्रति उनका समर्पण और मेहनत अन्य बच्चों के लिए प्रेरणादायक है।

बढ़ते साइबर अपराध के खिलाफ हंटरगंज पुलिस का जागरूकता अभियान

चतराः बढ़ते साइबर अपराध पर रोक लगाने के उद्देश्य से शुक्रवार को हंटरगंज थाना परिसर में पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी विपिन कुमार के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान बीसी संचालकों को बैंकिंग लेनदेन में पूरी पारदर्शिता बरतने और ग्राहकों के साथ किसी प्रकार की अनियमितता नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई।थाना प्रभारी ने स्पष्ट कहा कि किसी गरीब, बुजुर्ग या जरूरतमंद के खाते से उसकी जानकारी अथवा सहमति के बिना राशि निकासी की शिकायत मिली तो दोषी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बीसी संचालकों को निर्धारित नियमों के अनुसार कार्य करने का निर्देश दिया।पुलिस ने लोगों को ओटीपी, एटीएम पिन, पासवर्ड और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा नहीं करने की अपील की। साइबर ठगी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देने तथा संबंधित बैंक को भी जानकारी देने की बात कही गई।थाना प्रभारी विपिन कुमार ने कहा कि आम लोगों की मेहनत की कमाई के साथ किसी भी तरह की धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।पुलिस की इस सख्ती से नियमों की अनदेखी करने वाले बीसी संचालकों में भी हड़कंप की स्थिति है। मौके पर एएसआई संजय सिंह समेत कई पुलिस कर्मी और ग्रामीण मौजूद थे।

हंटरगंज प्रखंड कार्यालय सभागार में एसआईआर को लेकर प्रशिक्षण संपन्न

चतराः हंटरगंज प्रखंड कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को बीडीओ निखिल गौरव कमान कच्छप की अध्यक्षता में एसआईआर को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी कर्मियों को दी गई। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर बीपीआरओ योगेश शर्मा एवं अभिजीत सिंह के द्वारा दिया गया। उन्होंने बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान किए जाने वाले कार्यों, नोटिस, सुनवाई तथा दावा-आपत्ति की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि नो मैपिंग वाले मतदाताओं को नोटिस जारी कर उनकी सुनवाई करनी है। सुनवाई के दौरान संबंधित प्रक्रिया और फोटो भी अपलोड करना होगा। यह कार्य पंचायत स्तर पर 24 से 3 सितंबर तक किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षकों के द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से कर्मियों को पूरी प्रक्रिया समझाई गई। प्रशिक्षण के दौरान कर्मियों को निर्देश दिया गया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित कार्यों को निर्धारित प्रक्रिया एवं समय-सीमा के अनुसार पूरा करें। साथ ही मतदाताओं को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने और प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया गया।प्रशिक्षण में हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों से संबंधित बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर शामिल हुए।

चतरा में जिस्मफरोशी के खिलाफ कार्रवाई

चांदनी रेस्टोरेंट में पुलिस की छापेमारी 5 युवती और 4 युवक गिरफ्तार

रेस्टोरेंट मालिक की तलाश जारी

संवाददाता

चतराः जिला मुख्यालय के न्यू परिसदन भवन के समीप स्थित चांदनी रेस्टोरेंट में अनैतिक गतिविधियों की सूचना पर पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की।पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देश पर एसडीपीओ सन्नी वर्धन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रेस्टोरेंट में छापेमारी कर पांच युवतियों, चार युवकों समेत 09 लोगों को हिरासत में लिया। सभी को पूछताछ के लिए सदर थाना लाया गया है।जानकारी के अनुसार पुलिस को रेस्टोरेंट में अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की गुप्त सूचना मिली थी।सूचना के सत्यापन के बाद एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रेस्टोरेंट में छापामारी की। अचानक हुई कार्रवाई से रेस्टोरेंट में अफरा-तफरी मच गयी।पुलिस ने मौके पर मौजूद युवक-युवतियों को हिरासत में लिया।इस बीच मौके से रेस्टोरेंट संचालक का पुत्र फरार हो गया। छापेमारी के बाद पुलिस सभी हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रही है। इस संबंध में स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि रेस्टोरेंट में किस तरह की गतिविधियां संचालित हो रही थीं और इसमें अन्य लोगों की संलिप्तता है या नहीं। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई के लिए साक्ष्य जुटा रही है। छापामारी टीम में एसडीपीओ सन्नी वर्धन के अलावा सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव, महिला थाना प्रभारी फिरदौस नाज सहित कई पुलिस पदाधिकारी, महिला व पुरुष जवान शामिल थे।एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है।उन्होंने बताया कि पांच युवतियों, चार युवकों को सदर थाना लाया गया है, जहां सभी से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस्मफरोशी जैसे अनैतिक धंधे में संलिप्त होटल और रेस्टोरेंट संचालकों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी।

तेज पानी में ढही 15वें वित्त आयोग की पुलिया, निर्माण में अनियमितता का आरोप

संवाददाता

चतराः तेज बारिश के पानी के बहाव के बीच मयूरहंड प्रखंड में 15वें वित्त आयोग की राशि से निर्मित पुलिया ध्वस्त हो गई। पुलिया के टूटने से डुमरिया टांडा गांव का मुख्य सड़क से संपर्क बाधित हो गया है। इससे ग्रामीणों, स्कूली बच्चों और मरीजों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने पुलिया निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए पंचायत एजेंसी पर अनियमितता का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया का निर्माण मानकों के अनुरूप नहीं होने के कारण वह पानी के बहाव का दबाव नहीं झेल सकी। वहीं, कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में कथित तौर पर पसंदीदा लाभुक को लाभ पहुंचाया गया।पुलिया के ध्वस्त होने के बाद ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका कहना है कि बरसात के दौरान आवागमन की समस्या और गंभीर हो गई है। खासकर स्कूली बच्चों और मरीजों को काफी परेशानी हो रही है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मामले की जांच कराने, निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच करने तथा दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही पुलिया का जल्द पुनर्निर्माण कराने की मांग की गई है। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार ने स्थल जांच कर बड़ा पुलिया निर्माण करवाने की बात कही है।

30 दिवसीय एलएमवी ओनर ड्राइवर का समापन, नए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का शुभारंभ

संवाददाता

मुरीः सिल्ली-रूडसेट संस्था 21 अगस्त 2026 को 30 दिवसीय एलएमवी ओनर प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 29 प्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया । इसी अवसर पर संस्थान में 30 दिवसीय एलएमवी ओनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें कुल 23 प्रशिक्षु सहभागिता कर रहे हैं। साथ ही 12 दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया। कुल 28 प्रशिक्षु उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उद्घाटन एवं समापन समारोह में राँची जिला परिषद की उपाध्यक्ष,वीना चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने एलएमवी ओनर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी प्रशिक्षुओं को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने नए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल प्रतिभागियों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक सुदीप शिशिर एक्का ने कहा कि वर्तमान समय में कौशल विकास एवं स्वरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने एलएमवी ओनर प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं तथा टू व्हीलर एवं बकरी पालन प्रशिक्षण के नए प्रशिक्षुओं को गंभीरता, लगन एवं अनुशासन के साथ प्रशिक्षण ग्रहण करने के लिए प्रेरित कियाकार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ संकाय रंजीत कर्ण, दशरथ महतो, सुनील मुंडा,इडीपी एसेसर विवेकानंद भगत, एलएमवी ड्राइवर प्रशिक्षण के प्रशिक्षक बबलू कुमार टू व्हीलर प्रशिक्षण के प्रशिक्षक रमाशंकर अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाकर कौशल विकास एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता व्यक्त की रूडसेट संस्थान, सिल्ली, रांची द्वारा ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास, उद्यमिता एवं स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से निरंतर विभिन्न रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की समस्याएं,त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

संवाददाता

चतराः समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में शुक्रवार को जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे आमजनों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनता दरबार के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए। प्राप्त आवेदनों में भूमि विवाद, पेयजल आपूर्ति, आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मामले शामिल थे।उपायुक्त ने प्राप्त आवेदनों का क्रमवार अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को मामलों का नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजनों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी मामलों का निष्पादन निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए।इस अवसर पर उपायुक्त ने जनशिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी रितेश कुमार को निर्देशित किया कि जनता दरबार में प्राप्त सभी आवेदनों का विधिवत पंजीकरण सुनिश्चित करते हुए उन्हें अविलंब संबंधित विभागों को अग्रसारित किया जाए। साथ ही प्रत्येक मामले की नियमित समीक्षा एवं अनुश्रवण कर निष्पादन की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया जाए। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार आमजनों एवं प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान पारदर्शी, संवेदनशील एवं जवाबदेह तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।आपको बताते चलें कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक समाहरणालय परिसर में नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। आमजन अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के समाधान हेतु जनता दरबार में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

राखी बनाओ, थाल सज्जा व मेहंदी प्रतियोगिता में बहनों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता

चतराः शुक्रवार को दीभा, चतरा स्थित स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय में बालिका व्यक्तित्व विकास के अंतर्गत राखी बनाओ, थाल सज्जा एवं मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बाल वर्ग से 180 बहने एवं किशोर वर्ग से 92 बहनो ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कला और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बहनों द्वारा स्वनिर्मित आकर्षक राखियों, सुंदर ढंग से सजाए गए पूजा थालों एवं मनमोहक मेहंदी डिजाइनों ने सभी को आकर्षित किया। विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या सुशीला कुमारी ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्राओं के हस्तकौशल और रचनात्मक क्षमता के विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से भी जोड़ती हैं।प्राचार्य रमेश कुमार सिंह ने सभी छात्राओं, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और अटूट रिश्ते का प्रतीक है तथा हमें भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को सहेजने की प्रेरणा देता है। प्रतियोगिता में निर्णायिका की भूमिका ज्योति शरण, वसुंधरा तन्वी, सीमा वर्मा, सुप्रिया अंजली, रितिका सिन्हा एवं ममता सिन्हा ने निभाई। अंत में सफल प्रतिभागियों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संपूर्ण विद्यालय परिवार का सराहनीय सहयोग रहा।

न्यूज ब्रीफ

तुपुदाना चौक स्थित फैशन हाउस से लाखों की चोरी

रांचीः तुपुदाना थाना क्षेत्र के तुपुदाना चौक स्थित फैशन हाउस में एसबेस्टर सीट काटकर चोरों ने करीब 20 हजार रुपये नगद समेत लाखों के सामान पर हाथ साफ कर दिया। दुकान मालिक ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद तुपुदाना थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। स्थानीय दुकानदारों के मुताबिक, दो दिन पहले भी तुपुदाना चौक की दो दुकानों में भीषण चोरी हुई थी। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से व्यापारियों में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व समाजसेवी नारायण प्रजापति को किया गया याद

रांचीः वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, झारखंड प्रजापति महासंघ के पूर्व जिला अध्यक्ष और प्रमुख समाजसेवी स्वर्गीय नारायण प्रजापति की 15 वीं पुण्यतिथि आज 22 अगस्त 2026 को कुमार टोली चुना भट्टा स्थित प्रजापति भवन में सादगी पूर्वक मनाई गई। इस मौके पर समाज और मोहल्ला के कई गणमन व्यक्तियों ने स्वर्गीय नारायण प्रजापति को श्रद्धा सुमन अर्पित की। स्वर्गीय नारायण प्रजापति के पुराने मित्र पत्रकार उदय वर्मा, काली पूजा स्वागत समिति के अध्यक्ष प्रेम वर्मा, मोहल्ला विकास समिति के अध्यक्ष सुरेश गोप और झारखंड कुमार महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजू प्रजापति, सत्येंद्र वर्मा उनके समाज मोहल्ला और क्षेत्र के विकास में योगदान को याद किया और कहा कि इस क्षेत्र के विकास में सूर्य नारायण प्रजापति की जो भूमिका रही है उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। भले ही वह आज हमारे बीच नहीं है मगर उनके द्वारा बताए गए दिशा निर्देश और शिक्षा आज भी समाज और मोहल्ले के लोगों को नई दिशा और ताकत देते रहती है।

इस मौके पर नारायण प्रजापति के अनुज प्रभु प्रजापति, उनके पुत्र कौशल आनंद, बहु मोनिका कुमारी, भतीजा एच मयूख, दामाद आभाष कुमार, प्रताप कुमार, नवनीत नंदन, प्रसाद महतो, शैलेंद्र प्रजापति, राजन प्रजापति, रवि प्रजापति, राजेश चौधरी, कुमार मनोज, अमन वर्मा, वीरेंद्र गोप, सावन लिंडा, प्रकाश तिर्की, सूरज प्रजापति सहित समाज एवं मोहल्ला के कई गण मन व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गणेश प्रजापति ने की।

माही रेस्टोरेंट के संचालक से एक करोड़ रंगदारी की मांग, अरगोड़ा थाना में केस दर्ज

संवाददाता

रांचीः अरगोड़ा स्थित माही रेस्टोरेंट के संचालक से एक करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। रकम नहीं देने पर जान से मारने और दुकान में आग लगाने की धमकी दी गयी है। इसे लेकर कांके के झिरगा टोली निवासी रेस्टोरेंट के संचालक दिनेश कुमार मिश्रा ने अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। इसमें पंडरा निवासी रवि प्रकाश जायसवाल, अनूप गर्ग और एक अन्य को आरोपी बनाया

गया है।प्राथमिकी के अनुसार 19 अगस्त की शाम करीब 6.30 बजे दिनेश कुमार मिश्रा रेस्टोरेंट में बैठे थे। इसी दौरान रवि प्रकाश जायसवाल एक अन्य व्यक्ति के साथ वहां पहुंचा। मौके पर दोनों ने कहा कि उन्हें अनूप गर्ग ने भेजा है। उन्होंने दिनेश मिश्रा से कहा कि उनके बड़े भाई संजय मिश्रा ने अपूप गर्ग के खिलाफ रांची जिला न्यायालय और दिल्ली हाईकोर्ट तें जो क्वैशिंग याचिका दायर की है, उसे वापस ले लिया जाये। इसके बाद आरोपियों ने दिनेश मिश्रा से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। वहीं सात दिन में रकम नहीं देने पर परिवार समेत जान से मारने और रेस्टोरेंट में आग लगाने की धमकी दी। दिनेश मिश्रा के अनुसार घटना रेस्टोरेंट के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड है।

समझौते के लिए बुलाकर मारपीट करने का आरोपः इधर, पंडरा निवासी रवि प्रकाश जायसवाल ने भी दिनेश मिश्रा और अरविंद मिश्रा पर अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि दोनों ने समझौते के लिए उन्हें केएफसी के पास स्थित अपनी दुकान में बुलाया था। वहां पहुंचने पर दोनों ने दर्ज केस में समझौता करने का दवाब बनाया। रवि प्रकाश के अनुसार विरोध करने पर दोनों ने उनके साथ मारपीट और गाली-गलौज की। आरोप है कि इसी दौरान उनकी सोने की चेन और पॉकेट से 13 हजार रुपए निकाल लिये गसे। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने एक करोड़ रुपये के लेन-देन का तकादा किया, तो आरोपियों ने पैसे भूल जाने की बात कहते हुउ जान से मारने की धमकी दी।

श्री शिव बारात आयोजन महासमिति की बाल कांवर यात्रा कल, तैयारी पूरी

मेट्रो रेज

रांचीः श्री शिव बारात आयोजन महासमिति, पहाड़ी की ओर से आयोजित होने वाली बाल कांवर यात्रा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसी क्रम में महासमिति के संस्थापक अध्यक्ष राजेश साहू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रांची के लोगो से अपील भी की इस ऐतिहासिक बाल कावड़ यात्रा को देखने पहुँचे बाल कांवर यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र प्रदान किया। विधायक सीपी। सिंह मेयर रोशनी खलको,डिप्टी मेयर नीरज,कुमार गो सेवा आयोग अध्याच्छ राजीव रंजन प्रसाद भीम प्रसाद ,जितेंद्र सिंह , पवन शर्मा ,रवि वर्मा ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए बाल कांवर यात्रा में शामिल होने की सहमति दी। मंदिर प्रांगण मंच से कल और आज भी बच्चों का कावड़ लोटा गेरुआ टीशर्ट पेंट आदि सामग्री वितरण किया जा रहा है !इस दौरान बाल कांवर यात्रा को और बेहतर, भव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।

महासमिति के सदस्यों ने बताया कि बाल कांवर यात्रा को लेकर बच्चों एवं अभिभावकों में खासा उत्साह है। यात्रा को सफल बनाने के लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बच्चों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष राजेश साहू, सचिव रिवाल्डो वर्मा, प्रवक्ता बादल सिंह,मुरारी मंगल, भोलू सिंह, देवाशीष राय, मीरा गुप्ता, रानी, स्वप्ना चटर्जी, समीक्षा शर्मा, रवि वर्मा, शुभाशीष चटर्जी एवं अमन सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

महासमिति ने बताया कि बाल कांवर यात्रा में अधिक से अधिक बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा, सुविधा एवं यात्रा के सफल संचालन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम को लेकर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

एलबी सिंह की पत्नी ने ईडी से 10 दिन का मांगा समय

रांची/धनबाद : धनबाद के चर्चित कोयला व्यापारी एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह ने ईडी से 10 दिनों का समय मांगा है। हालांकि ईडी ने अब तक इस पर कोई फैसला नहीं किया है। शीघ्र ही आरती सिंह को पूछताछ के लिए नयी तिथि निर्धारित कर समन भेजा जायेगा।

ईडी ने कोयला घोटाले के दूसरे दौर की छापेमारी के दौरान मिले दस्तावेज की जांच पड़ताल के बाद एलबी सिंह की पत्नी, भाई और साले के समन जारी किया था। आरती सिंह को 20 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया गया था। लेकिन वह ईडी के समक्ष हाजिर नहीं हुई और ईडी से 10 दिनों का समय मांगा है। इसकी वजह उन्होंने खुद का झारखंड से बाहर होना बताया है।

एलबी सिंह के भाई और साले ने एक-एक महीने का समय मांगा था। एक ने मां और दूसरे ने भाई की बीमारी के नाम पर समय की मांग की थी। लेकिन ईडी ने इसे अस्वीकार करते हुए अगले सप्ताह हाजिर होने के लिए समन जारी किया है। वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमीशन ने सभी प्रार्थियों को अपना दावा प्रस्तुत करने के लिए दो सप्ताह का अंतिम मौका दिया है । कोर्ट ने कहा है कि इसके बाद प्रार्थियों का दावा या क्लेम स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रार्थी अपने दावे में कमीशन को जानकारी देंगे कि वे नियुक्ति पाने के लिए किस तरह से योग्य है, उनके कैटेगरी में किस अभ्यर्थी का उनसे कम अंक आया है और वह चयनित हुए हैं। साथ ही प्रार्थी को स्वयं का अंक का भी विवरण देना है।

कार्यालय नगर पंचायत, बुण्डू (राँची)

शुद्धि पत्र

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित PR No - 388037 Urban Development (26-27) #D में प्रकाशित ई निविदा मे Date Start of Submission of Bids 21-08-2026 के स्थान पर 25-08-2026 पढ़ा जाये । शेष सभी यथावत है ।

ह0/-
कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत, बुण्डू

PR 388170 Urban Development(26-27)#D

हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति 2016 केस

प्रार्थियों को कमीशन के पास दावा पेश करने का मिला अंतिम मौका, अगली सुनवाई 12 सितंबर को

संवाददाता

रांची : वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमीशन के अध्यक्ष जस्टिस गौतम कुमार चौधरी ने शनिवार को शिक्षक नियुक्ति से जुड़े (स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016) मामले की ऑनलाइन सुनवाई की। इस दौरान फैक्ट फाइंडिंग कमीशन के समक्ष कुछ प्रार्थियों ने पूरे विवरण के साथ अपना दावा/ क्लेम प्रस्तुत किया।

कमीशन ने सभी प्रार्थियों को

अपना दावा प्रस्तुत करने के लिए दो सप्ताह का अंतिम मौका दिया है । कोर्ट ने कहा है कि इसके बाद प्रार्थियों का दावा या क्लेम स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रार्थी अपने दावे में कमीशन को जानकारी देंगे कि वे नियुक्ति पाने के लिए किस तरह से योग्य है, उनके कैटेगरी में किस अभ्यर्थी का उनसे कम अंक आया है और वह चयनित हुए हैं। साथ ही प्रार्थी को स्वयं का अंक का भी विवरण देना है। अगली सुनवाई 12 सितंबर को होगी। आज की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शेखर प्रसाद गुप्ता, अधिवक्ता राजेश कुमार, अधिवक्ता अमृतांश वत्स, अधिवक्ता शुभम मिश्रा और अन्य ने ऑनलाइन रूप से कमीशन के समक्ष अपना पक्ष रखा।

फैक्ट फाइंडिंग कमीशन को और तीन माह का मिला समयः बता दें कि हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति दीपक रोशन की कोर्ट ने मीना कुमारी और अन्य के मामले में 257 याचिका पर फैसला सुनाते हुए फैक्ट फाइंडिंग कमीशन को 3 माह में जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा है। कमेटी का अध्यक्ष हाईकोर्ट की सेवानिवृत जस्टिस गौतम कुमार चौधरी को बनाया गया है।

जांच रिपोर्ट पेश करने का फैक्ट फाइंडिंग कमीशन का निर्धारित समय पूरा हो गया था। इसके बाद न्यायमूर्ति दीपक रोशन की कोर्ट ने इस समय सीमा को 3 महीने के लिए और बढ़ा दिया है।

OFFICE OF THE ELECTRICAL EXECUTIVE ENGINEER
ELECTRIC WROKS DIVISION, RANCHI
Energy Department, Govt of Jharkhand

Very Short Notice Inviting e-quotation
Notice No-Energy/EWD/Ranchi/34/26-27

Quotation through e-tender are invited for rate of Item/materials annexed as Annexure-1 for framing estimate from Reputed Manufacturers/ authorize agency/ Departmental registered contractor. The Item/Material Rate conforming to specifications shall be submitted online in the website Https://Jharkhandtenders.gov.in, Details are available on the above e-tender portal. The quotationer may download the documents from the website and quote their rate online from 25/08/2026 at 11:00 hrs. to 31/08/2026 at 14:00 hrs. The quotation will be opened on 01/09/2026 at -14:00 Hours.

The quotation is invited to ascertain and assess the Item/Material Rate at par with lowest market rate for framing of Estimate

Electrical Executive Engineer
Electric Works Division,
Ranchi

PR 388100 Energy (26-27)_D

राष्ट्रीय खेल दिवस : झारखंड के स्कूलों में तीन दिवसीय अभियान

28 से 30 अगस्त तक होंगे खेल व फिटनेस कार्यक्रम

संवाददाता

रांची : झारखंड के सभी सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर 28 से 30 अगस्त तक तीन दिवसीय राज्यव्यापी अभियान खेलेगा भारत जीतेगा भारत का

स्कूल शिक्षा व साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों और जिला शिक्षा अधीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र के आधार पर आयोजित इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को खेलों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना, फिटनेस और खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। अभियान के तहत विद्यालय स्तर पर विभिन्न खेल, फिटनेस गतिविधियां, पारंपरिक खेल और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

28 अगस्त को कार्यक्रम की शुरूआत उद्घाटन, शपथ ग्रहण और फिटनेस गतिविधियों के साथ होगी। इसके अलावा पास द बॉल और स्पोर्ट्स बंधन, खेल के माध्यम से स्वास्थ्य विषय पर स्लोगन/नारे व निबंध प्रतियोगिता तथा सांकेतिक व पारंपरिक खेलों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें योग, आसन, पीटी, मार्शल आर्ट, रस्साकशी और तीरंदाजी जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

29 अगस्त, राष्ट्रीय खेल दिवस के दिन मेजर ध्यानचंद को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। विद्यार्थियों को मेजर ध्यानचंद के जीवन, स्वास्थ्य व खेल और जीवन में अनुशासन के महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस दौरान खेल शपथ ग्रहण व मार्च पास्ट भी कराया जाएगा। विद्यालयों में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। कक्षा 1 से 5 के विद्यार्थियों के लिए 50 मीटर दौड़, बोरी दौड़, तीन टांग दौड़, चम्मच-गोली दौड़, कैरम और लूडो जैसी प्रतियोगिताएं प्रस्तावित हैं।

30 अगस्त को स्वास्थ्य केंद्रित साइकिल रैली आयोजित की जाएगी। भारत द्वारा ब्रीक्स की अध्यक्षता किए जाने के अवसर पर इस दिन भारत की खेल संस्कृति को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से विशेष तौर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

गुमशुदा पुरूष प्रमोद सिंह, उम्र– करीब 33 वर्ष, पे0–जीतवाहन सिंह, सा0–सिजांग बरसलोया, थाना–कोलेबिरा, जिला–सिमडेगा, राज्य–झारखण्ड, दिनांक– 31.07.2026 को अपने घर से गोवा जाने के लिए निकला था, जो अबतक अपने घर वापस नहीं आया है। गुमशुदा पुरूष की बरामदगी अभी तक नहीं हो पायी है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है:–

हुलिया की विवरणी :–

लिंग	:–	पुरूष।
उम्र	:–	33 वर्ष।
रंग	:–	साँवला।
उँचाई	:–	05 फीट 07 ईंच।
बाल	:–	छोटे एवं घुंघराले।
भाषा	:–	हिन्दी सादरी।
चेहरा	:–	गोल।
आँख	:–	सामान्य।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त गुमशुदा पुरूष के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा	–	मोबाइल नं0–9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा	–	मोबाइल नं0–9431706227
थाना प्रभारी, कोलेबिरा	–	मोबाइल नं0–9431706235
पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा	–	मोबाइल नं0–9262998531
मानव तस्करी संबंधी टोल फ्री नं0	–	मोबाइल नं0–1800–3456–256

पुलिस अधीक्षक,
सिमडेगा

PR 388149 Simdega (26-27)_D

कार्यालय, जिला परिषद्, लोहरदगा।

(Email-Id: zplohardaga@gmail.com)

ई–निविदा

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा संख्या – 05/2026–27(ZP) दिनांक 20.08.2026

क्र0/ ग्रुप संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाप विपत्र की राशि	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	लोहरदगा	जिला परिषद् डाकबंगला लोहरदगा में दुकान निर्माण कार्य	6504000.00	10000/-	130100.00	08(आठ) माह

2	वेवसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	:–	24.08.2026
3	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि व समय	:–	02.09.2026 / 05:00 बजे अपराह्न तक
4	निविदा खोलने की तिथि व समय	:–	03.09.2026 / 11:00 बजे पूर्वाह्न में
5	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	:–	जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा
6	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	:–	जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा

नोट – 1. जिला परिशद् लोहरदगा में समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक निविदा में भाग ले सकते हैं ।
2. निविदा की प्राक्कलित राशि घट बढ सकती है तत्पश्चात् अग्रधन की राशि देय होगा।
विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, लोहरदगा।

PR 388134 Lohardaga(26-27)D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

70 का एम्स: रोगियों के दिलों में भरोसा जगाने वाला संस्थान

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी एम्स से करीब छह-सात किलोमीटर दूर राजधानी के पृथ्वीराज रोड का शोर अचानक गायब हो जाता है जब आप यॉर्क कब्रिस्तान में घुसते हैं। गेट के ठीक बाहर एक छोटी कब्र नजर आती है। इसकी हालत देखकर लगता है कि इस पर सालों से कोई फूल नहीं चढ़ाया गया होगा। लेकिन वहाँ सोई हुई हैं राजकुमारी अमृत कौर। वो महात्मा गांधी की करीबी सहयोगी, स्वतंत्र भारत की पहली स्वास्थ्य मंत्री और एम्स की फाउंडर थीं। अमृत कौर कपूरथला राजघराने से थीं। उन्होंने ऑक्सफोर्ड से शिक्षा ली और आजादी के बाद नेहरू कैबिनेट में स्वास्थ्य मंत्री बनीं। शुरूआत में एम्स कोलकाता में खोलने का प्रस्ताव था लेकिन पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री डॉ. बी.सी. रॉय को यह ठीक नहीं लगा। नतीजा यह हुआ कि कोलकाता का नुकसान और दिल्ली का फायदा हो गया। साल 1952 में इसकी आधारशिला रखी गई। 18 फरवरी 1956 को अमृत कौर ने लोकसभा में विधेयक पेश किया। 2 जून 1956 को एआईआईएमएस अधिनियम पास हुआ और संस्थान को राष्ट्रीय महत्व का स्वायत्त दर्जा मिला। वे स्वयं एम्स की पहली अध्यक्ष रहीं और अपनी मृत्यु (1964) तक शासन-व्यवस्था को मजबूत करती रहीं। आज सात दशक बाद भी एम्स मरीजों के लिए उम्मीद और भरोसे की जगह बना हुआ है। भारत के हर कोने से रोज सैकड़ों बीमार और उनके रिश्तेदार यहाँ आते हैं। मन में यकीन होता है कि स्वस्थ होकर घर लौटेंगे। डॉक्टर, नर्स और बाकी स्टाफ हर मरीज के इलाज में जान लगा देते हैं। एम्स में समाजवादी व्यवस्था लागू रहती है। भिखारी और बड़ा सरकारी अधिकारी एक ही कतार में खड़े होते हैं। डॉक्टर किसी की हैसियत या पैसे को देखकर फर्क नहीं करते। बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड के मरीजों का खास यकीन दिखता है। अगर एम्स राजकुमारी अमृत कौर की सोच का नतीजा था तो पहले डायरेक्टर डॉ. बी.बी. दीक्षित ने इसे बेहतरीन अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बनाया। वे महान डॉक्टर, अनुभवी शिक्षक और कुशल प्रशासक थे। पुणे के बी.जे. मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल रहे दीक्षित ने नियुक्तियों में योग्यता को ही आधार बनाया और रिसर्च को बढ़ावा दिया। उन्होंने शर्त रखी कि राजनीतिक दखल न हो। उनके समय में कई बेहतरीन प्रोफेसर आए। अगर एम्स पर रोगियों का भरोसा है तो इसका श्रेय यहां के उन तमाम डॉक्टरों और बाकी स्टाफ को जाता है। आप एम्स के राजेन्द्र प्रसाद नेत्र चिकित्सा केन्द्र में जाएं। यहां पर भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद की एक धड़ प्रतिमा रखी हुई है। इधर मधुबनी से रेटिना संबंधित जटिल सर्जरी के लिए आए सुरेन्द्र झा कह रहे थे कि बिहार में तो अनुभनी रेटिना चिकित्सक मिलते नहीं इसलिए यहां ही आना पड़ता है। वास्तव में यह कमाल की जगह है। यहां के सभी डॉक्टर सेवा भाव की मिसाल हैं। इन्होंने सैकड़ों सर्जरी की हैं और नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में दर्जनों शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उनकी जिस दिन ओपीडी होती थी, वे उस दिन करीब तीस-चालीस रोगियों को देखते थे। वे रोगियों को देखकर वहां पर ही बता देते थे कि उनके इलाज का क्रम किस तरह से चलेगा। जिस दिन एम्स में ऑपरेशन होते हैं, ये डॉक्टर उस दिन कई रोगियों का ऑपरेशन करते थे। इधर के नेत्र विशेषज्ञों ने रेटिना की बीमारियों के इलाज के लिए नई तकनीकों और उपचार विधियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसमें लेजर थेरेपी, इंट्राविट्रियल इंजेक्शन, और सर्जिकल प्रक्रियाओं में सुधार शामिल हैं। इनकी विशेषज्ञता व्यापक है, जिसमें मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, रेटिना संबंधी बीमारियां और अन्य जटिल नेत्र रोग शामिल हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि एम्स की तासीर में सेवा की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है। यहाँ हर साल देशभर के मेधावी छात्र एमबीबीएस, एमएस और एमडी में दाखिले लेते हैं और आगे देश-दुनिया के बेहतरीन डॉक्टर बनते हैं। मशहूर नामों में डॉ. दीपक चोपड़ा, शिकागो यूनिवर्सिटी के प्रो. विनय कुमार, गंगाराम के लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. अरविंदर सिंह सोइन, पूर्व डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया, टूटे दिलों को जोड़ने वाले डॉ. पी. वेणुगोपाल, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ प्रतीक शर्मा, यूरोलिजिस्ट डॉ. राजीव सूद शामिल हैं। आँखों के विशेषज्ञ डॉ. जीवन सिंह तितियाल, डॉ. प्रदीप वेंकटेश और डॉ. तरुण दादा दुनिया के कुशल डॉक्टरों में गिने जाते हैं। एम्स बनने के करीब दस साल बाद 10 मार्च 1967 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद सेंटर फॉर ऑप्थैल्मिक साइंसेज की स्थापना हुई। भारत के पहले राष्ट्रपति के नाम पर बने इस केंद्र का मंत्र है-ह्यतमसो मा ज्योतिर्गमयह्ल। पहले डायरेक्टर डॉ. एल.पी. अग्रवाल बोस्टन से लौटे थे। एम्स के आसपास रोज बीस-पच्चीस छोटे-बड़े भंडारे लगते हैं। ब्रेड-पकौड़ा, चाय, समोसा, कढ़ी-चावल, छोले-चावल जैसी चीजें मुफ्त बँटती रहती हैं। अंडरपास में दवा की दुकानें चौबीस घंटे खुली रहती हैं। तीन सेल्समैन, कैशियर और सहायक स्टाफ वाले काउंटर पर भीड़ लगी रहती है। जरूरत की दवा लगभग हमेशा मिल जाती है। रोज की बिक्री लाखों में बताई जाती है। बाहर इलाज कराने वाले भी अक्सर यहीं दवा लेने आते हैं। एम्स का अबतक का सफर शानदार रहा है। देश के दूसरे सरकारी और निजी अस्पतालों को इससे सीखना चाहिए। सरकार की जिम्मेदारी है कि गाँव-शहर के अस्पतालों का स्तर ऊपर उठाए। प्राइवेट अस्पताल मरीजों को बेवजह टेस्ट के लिए मजबूर न करें। एम्स ने देश के कई बड़े संकटों में भी अपनी सेवा का झंडा ऊँचा रखा। 31 अक्टूबर 1984 को जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर गोली चली, तो उन्हें तुरंत इसी अस्पताल में लाया गया। यहाँ के डॉक्टरों और स्टाफ ने उनकी जान बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। कोविड महामारी के दौरान भी एम्स में इलाज का सिलसिला एक पल के लिए नहीं रुका। हजारों संक्रमित मरीजों का उपचार यहाँ हुआ। डॉक्टर, नर्स और अन्य कर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर सेवा करते रहे। ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और आईसीयू की कमी के बावजूद उन्होंने मरीजों को निराश नहीं होने दिया। एम्स वो जगह है जहाँ हुनर, सेवा और बराबरी एक साथ मिलते हैं। राजकुमारी अमृत कौर की शांत कब्र से लेकर अस्पताल के व्यस्त गलियारों और बाहर के जीवंत अंडरपास तक कहानी एक ही है। ईमानदारी से किए गए अच्छे काम का नतीजा आम लोगों का स्थायी भरोसा होता है। एम्स उसी भरोसे पर खड़ा है और लोगों की सेवा में लगा हुआ है।

पाकिस्तान से दशकों पहले आए विस्थापितों को भारतीय नागरिकता

ढोल-नगाड़े बजाकर विस्थापित पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रमाणपत्र बांटे। खास बात यह है कि सरकार ने यह कदम ऐसे माहौल में उठाया, जब पूरे देश में विभिन्न देशों के घुसपैठियों को निकालाने का अभियान चल रहा हो। इस अभियान का असर हाल में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधाानसभा चुनाव के दौरान भी देखा गया। दो बॉर्डर राज्य, असम और पश्चिम बंगाल का चुनाव इसी मुद्दे के इर्द-गिर्द घूमा। घुसपैठियों के अलावा भारत में कुछ वर्षों से एनआरसी और सीएए का भी शोर है।

डॉ. रमेश ठाकुर

आज के दौर में पाकिस्तान से आए विस्थापित को भारत में बसाना, उन्हें पनाह देना या फिर नागरिकता देने वाली बात, शायद ही किसी के गले उतरे। हालांकि यह पिछले दिनों हकीकत बन गई। 56 साल पहले भारत आए पाकिस्तानी विस्थापितों को नागरिकता दी गई। वह भी एकाध लोगों को नहीं बल्कि इनकी संख्या हजारों में है। सरकार ने पिछले महीने बकायदा कार्यक्रम कर ढोल-नगाड़े बजाकर विस्थापित पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रमाणपत्र बांटे। खास बात यह है कि सरकार ने यह कदम ऐसे माहौल में उठाया, जब पूरे देश में विभिन्न देशों के घुसपैठियों को निकालाने का अभियान चल रहा हो। इस अभियान का असर हाल में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधाानसभा चुनाव के दौरान भी देखा गया। दो बॉर्डर राज्य, असम और पश्चिम बंगाल का चुनाव इसी मुद्दे के इर्द-गिर्द घूमा। घुसपैठियों के अलावा भारत में कुछ वर्षों से एनआरसी और सीएए का भी शोर है। बावजूद इसके सरकार ने पाकिस्तानी विस्थापितों को नागरिकता देने का बड़ा जोखिम उठाया। सरकार ने यह कदम क्यों उठाया? हालांकि, इस फैसले के सियासी मायने कई हैं, जिसकी तस्वीर आने वाले दिनों में दिखाई देगी।

सरकार ने विस्थापितों को नागरिकता भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में दी है। जिले का नाम है पीलीभीत जो नेपाल बॉर्डर से एकदम सटा हुआ है।इसकी पहचान बांसुरी निर्माण के अलावा अपने तराई क्षेत्र के लिए प्रसिद्ध है। पीलीभीत को मिनी पंजाब भी कहते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से लबरेज, जैव-विविधता के अलावा विश्व प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व तो है ही, धान की पैदावार के लिए भी यह जिला पूरे प्रदेश में विख्यात है। सरकार ने जिन परिवारों को बसाने का फैसला किया है उनमें बंगाली हिन्दू, बौद्ध, जैन और सिख शामिल हैं। भारत के नक्शे में देखें, तो पीलीभीत देश के एक छोर पर बसा है जहां करीब पांच दशक से भी ज्यादा पहले पाकिस्तान से आए विस्थापित बस गए थे। तभी, से वह विभिन्न सरकारों से नागरिकता मांगते आए हैं। सरकारी कागजों के मुताबिक पूर्वी पाकिस्तान से वर्ष 1959 से 1971 के बीच पाकिस्तान से पीड़ित होकर कुछेक परिवार भारत आए थे। शुरूआत में यह परिवार कई राज्यों में भटकते रहे, कहीं ठिकाना नहीं मिला। आखिरकार उन्हें बाद में यही जिला मुफीद लगा। पीलीभीत के अलावा कुछ नागरिकता रामपुर और बिजनौर में बसे विस्थापितों को भी दी गई है।

पीलीभीत के जिस क्षेत्र में यह परिवार रहते आए हैं वह जगह कभी वीरान होती थी। इन लोगों ने इसे रहने लायक बनाया और उबड़खाबड़ जगहों पर मेहनत करके उसे खेती-बाड़ी के लिए तैयार किया। आज इस क्षेत्र में अच्छी फसलें उगती हैं। सभी के पास कागजी दस्तावेजों के रूप में भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड इत्यादि पहले से मौजूद हैं। साथ ही लंबे वक्त से मतदान भी करते आए हैं। लेकिन नागरिकता और मालिकाना हक से वंचित थे, जिसे मौजूदा योगी सरकार ने पूरा कर दिया। ये परिवार पीलीभीत जिले के अमरिया, न्यूरिया, शारदा डैम की तलहटी सहित आसपास के क्षेत्रों में बसे हैं। सरकार ने उन्हें खेती और आवास के लिए जमीन तो पहले से दी हुई हैं। लेकिन मालिकाना हैसियत नहीं दी, जिसके लिए यह लोग दशकों जद्दोजहद कर रहे थे। प्रत्येक चुनाव में इनसे झूठा वायदा हुआ। पूर्ववर्ती बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने भी इनको नागरिकता दिलवाने का दिलासा दिया लेकिन वादा पूरा नहीं किया।

बीते 2022 के विधानसभा चुनाव में इनके साथ वादा किया गया था, जिसे अब पूरा किया गया। प्रदेश सरकार की पहल पर सभी पीड़ित परिवारों को सूचीबद्ध करके नागरिकता और मालिकाना के प्रमाण बांटे गए हैं। नागरिकता करीब 2500 परिवारों को दी गई हैं जिनकी कुल संख्या 15 हजार के आसपार है। ऐसा करके सरकार ने शायद विपक्षी दलों को बड़ा सियासी मुद्दा बैठे-बिठाए थमा दिया है। ये लोग वर्ष 1960 से 1975 के बीच धार्मिक प्रताड़ना के चलते पूर्वी बंगालादेश जो अब पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा है, से भारत आए थे और उत्तर प्रदेश के तराई के जिले पीलीभीत में आकर बसे। ये क्षेत्र पीलीभीत जिले की कलीनगर व पूरनपुर तहसीलों में आते हैं जहां ये करीब 25-26 गांवों में बसे हैं। पिछले महीने 29 जून को राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जिले में दौरा हुआ जिसमें मुख्यमंत्री ने इनको ना सिर्फ नागरिकता के प्रमाणपत्र बांटे बल्कि मालिकाना हक के सरकारी कागज भी दिए।

यह फैसला चुनाव के ऐन वक्त लिया गया। प्रदेश में मात्र 6-7 महीनों बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं इसलिए सरकार के इस निर्णय पर प्रदेश की राजनीति जमकर गर्माई हुई है। विपक्षी पार्टियों ने मौजूदा सरकार पर सीधे-सीधे एक बड़े वोटबैंक को साधने का आरोप लगाया है। पाकिस्तानी विस्थापियों को बसाने का यह पहला चरण है, अभी दूसरा चरण शेष है। 35 हजार लोग और हैं जो बहराईच, बाराबंकी, गोंडा, लखीमपुर, बिजनौर जैसे जिलों में बसे हैं। सभी को चिह्नित किया जा चुका है, अगले कुछ महीनों बाद इन्हें भी नागरिकता देने का फैसला हो चुका है।

सरकारी आंकड़ों की मानें तो प्रदेश के करीब सात-आठ जिलों में कुल 55 हजार विस्थापित पाकिस्तानियों की आबादी है, इनमें प्रत्येक वर्ष तेजी से इजाफा भी हो रहा है। 56 वर्ष पहले धार्मिक प्रताड़ना के शिकार मात्र 12 हजार 380 लोग आए थे। आबादी बढ़ाने के पीछे इनका मकसद था कि सरकारों पर दबाव बनाना था। कमोबेश, हुआ भी वैसा ही।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विवेकानंद शिला स्मारक के शिल्पीज्ञ एकनाथ रानाडे

मानो भारतमाता के चरणों में बैठकर उन्हें अपने आगामी जीवन की दिशा और कार्ययोजना का साक्षात्कार हुआ। स्वामी विवेकानंद की जन्मशताब्दी के अवसर पर इसी पावन शिला पर उनका स्मारक बनाने का विचार सामने आया। विचार सरल था, किंतु उसकी राह अत्यंत कठिन। स्थानीय स्तर पर विरोध आरंभ हुआ। कुछ लोगों ने शिला को सेंट थॉमस से जोड़ते हुए वहां क्रॉस स्थापित करने का प्रयास किया।

मुकुल कानिटकर

भारत के दक्षिणी छोर पर तीनों सागरों के संगमस्थल कन्याकुमारी में स्थित श्रीपाद शिला केवल एक शिला नहीं है। वह स्वामी विवेकानंद के जीवन की उस निर्णायक साधना की साक्षी है, जब परिव्राजक के रूप में संपूर्ण भारत का भ्रमण करने के बाद वे तीन दिन और तीन रात उस शिला पर ध्यानस्थ रहे। मानो भारतमाता के चरणों में बैठकर उन्हें अपने आगामी जीवन की दिशा और कार्ययोजना का साक्षात्कार हुआ। स्वामी विवेकानंद की जन्मशताब्दी के अवसर पर इसी पावन शिला पर उनका स्मारक बनाने का विचार सामने आया। विचार सरल था, किंतु उसकी राह अत्यंत कठिन। स्थानीय स्तर पर विरोध आरंभ हुआ। कुछ लोगों ने शिला को सेंट थॉमस से जोड़ते हुए वहां क्रॉस स्थापित करने का प्रयास किया।

राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियाँ भी अनुकूल नहीं थीं। ऐसे समय इस कार्य का दायित्व जिस व्यक्ति के कंधों पर आया, वह थे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरकार्यवाह एकनाथ रानाडे।

एकनाथ जी केवल स्मारक के निमार्ता नहीं थे; वे मूलतः समन्वय के साधक थे। उनका व्यक्तित्व ऐसा था जिसमें वैचारिक दृढ़ता और व्यवहार की सहजता अद्भुत रूप से साथ-साथ चलती थी। मध्य भारत में प्रचारक के रूप में कार्य करते हुए उनका संपर्क समाज के विविध वर्गों से रहा। कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन के संन्यासियों से उनकी आत्मीयता थी तो ज्योति बसु जैसे वामपंथी नेताओं से भी उनके सहज संबंध थे। असम में भी उन्होंने विभिन्न विचारधाराओं और सामाजिक समूहों के बीच संवाद और सहयोग का अनुभव प्राप्त किया था। संघ पर लगे प्रथम प्रतिबंध के समय संविधान निर्माण और सरकार से संवाद की कठिन प्रक्रिया में भी एकनाथ जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार पटेल जैसे व्यक्तित्व से उनके संवाद में भी यही विशेषता दिखाई देती थी- विचारों में दृढ़ता, लेकिन व्यवहार में आत्मीयता।

एक प्रसंग में सरदार पटेल ने उनके विषय में कहा था कि लोग उन्हें लौह पुरुष कहते हैं, किंतु एकनाथ तो साक्षात फौलाद हैं। यह फौलाद उनकी कठोरता में नहीं, बल्कि अपने ध्येय के प्रति अडिग रहते हुए असहमति रखने वाले व्यक्ति को भी साथ लेने की क्षमता में था। विवेकानंद शिलास्मारक के निर्माण की पूरी कहानी इसी समन्वय-कौशल की कहानी है।

सबसे पहले केंद्रीय संस्कृति मंत्री हुमायूं कबीर की आपत्ति सामने आई। एकनाथ जी ने विरोध का प्रत्यक्ष उत्तर देने के बजाय एक ऐसी रणनीति अपनाई जिसमें जिम्मेदारी का बोध जगाया गया। उन्होंने कोलकाता में प्रेस के माध्यम से यह वातावरण बनाया कि बंगाल के महान सपूत स्वामी विवेकानंद का स्मारक तमिलनाडु के कन्याकुमारी में बन रहा है और उसकी अनुमति की निर्णायक कुंजी बंगाल के ही एक सांसद-केंद्रीय संस्कृति मंत्री-के हाथ में है। वातावरण बनने के बाद वे मंत्री से मिले। परिणाम सामने था- आपत्ति दूर हो गई। अब अगली चुनौती तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सहमति थी। यहीं एकनाथ जी के जनसंपर्क और संवाद-कौशल का असाधारण परिचय मिलता है। लाल बहादुर शास्त्री के माध्यम से प्रधानमंत्री तक पहुंचने की योजना बनी। सुझाव था कि कुछ सांसदों का ज्ञापन प्रधानमंत्री के सामने रखा जाए। अनुमान था कि 10-20 सांसदों के हस्ताक्षर पर्याप्त होंगे, लेकिन एकनाथ जी ने संसद के गलियारों में संवाद का ऐसा अभियान चलाया कि विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं के 323 सांसदों ने कन्याकुमारी में स्वामी विवेकानंद के स्मारक के समर्थन में ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दिए। यह संख्या उस समय के राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए और भी महत्वपूर्ण थी। जनसंघ के केवल चार सांसद थे, किंतु कांग्रेस, स्वतंत्र दल, समाजवादी और साम्यवादी दलों के सांसद भी इस अभियान में साथ आए। इतने व्यापक राजनीतिक मतैक्य का निर्माण किसी एक व्यक्ति के लिए असंभव-सा लगता है, किंतु एकनाथ जी ने इसे संभव कर दिखाया। उन्होंने किसी से अपनी विचारधारा स्वीकार करने को नहीं कहा; उन्होंने केवल एक ऐसे राष्ट्रीय विषय पर सहमति खोजी, जो सभी को जोड़ सकता था। जब लाल बहादुर शास्त्री ने सांसदों के हस्ताक्षरों को देखा और उनकी सत्यता की पुष्टि की, तो उन्होंने कहा कि अब नेहरू जी को मनाना उनका काम है। अंततः प्रधानमंत्री ने लोकसभा में कन्याकुमारी की विवेकानंद शिला पर भव्य स्मारक बनाए जाने की घोषणा कर दी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री भक्तवत्सलम पहले शिला पर किसी भी प्रकार के निर्माण के प्रबल विरोधी रह चुके थे। एकनाथ जी ने उनसे बार-बार मिलकर संवाद का मार्ग खुला रखा। धीरे-धीरे विरोध की तीव्रता कम हुई और स्मारक के पक्ष में सहमति बनने लगी। प्रारंभिक अनुमति एक छोटे से मंदिर और छोटी मूर्ति के लिए तैयार हुई। एकनाथ जी ने तत्काल कोई टकराव खड़ा नहीं किया। उन्होंने कहा कि स्थापत्य और आकार विशेषज्ञों का विषय है और कुछ डिजाइन तैयार कराकर वे पुनः मुख्यमंत्री के सामने रखेंगे। यहीं एकनाथ जी की रणनीतिक सूझबूझ और संवाद की गहराई दिखाई देती है। विभिन्न स्थापत्यविदों से रेखाचित्र तैयार कराए गए। रामकृष्ण मठ के अध्यक्ष स्वामी माधवानंद और द्वितीय सरसंघचालक श्री गुरुजी की स्वीकृति के बाद कांची परमाचार्य चंद्रशेखरेन्द्र सरस्वती जी से भी अनुमोदन प्राप्त किया गया। मुख्यमंत्री के सामने कई चित्र रखे गए। अंत में वह चित्र प्रस्तुत किया गया, जिसे कांची परमाचार्य का अनुमोदन प्राप्त था। अपने गुरु के हस्ताक्षर देखकर भक्तवत्सलम प्रभावित हुए और उसी मानचित्र को स्वीकार कर लिया। तब एकनाथ जी ने सहजता से ध्यान दिलाया कि यह आकार तो मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में निर्धारित सीमा से कई गुना बड़ा है। अब मुख्यमंत्री के पास मुस्कुराते हुए यह कहने के अलावा कोई विकल्प नहीं था कि- ठीक है, यही बनेगा। यह प्रसंग केवल चतुर रणनीति का उदाहरण नहीं है बल्कि यह बताता है कि एकनाथ जी विरोधी व्यक्ति को परास्त करने की अपेक्षा उसे सहभागी बनाने में विश्वास रखते थे। उन्होंने मुख्यमंत्री की प्रतिष्ठा को चुनौती नहीं दी; बल्कि उन्हें ही इस ऐतिहासिक कार्य का नेतृत्वकर्ता बना दिया। मतभेद रहते हुए भी संबंध बनाए रखना और संबंधों के माध्यम से सहमति का मार्ग खोलना- यही उनका समन्वय था। शिलास्मारक के निर्माण में एक और अद्भुत अध्याय राष्ट्रव्यापी निधि-संग्रह का है। एक रुपये के कूपन के माध्यम से 35 लाख परिवारों से 84 लाख रुपये का संग्रह हुआ। यह केवल धन-संग्रह नहीं था; यह देश के सामान्य नागरिक को स्मारक के निर्माण से जोड़ने का अभियान था। विभिन्न राज्य सरकारों ने योगदान दिया। बंगाल में ज्योति बसु की पत्नी कमला बसु निधि-संग्रह समिति की संरक्षक बनीं। केरल में प्रखर साम्यवादी और संघ-विरोधी ईएमएस नंबूदरीपाद मुख्यमंत्री थे। स्वामी विवेकानंद के ह्यदरिद्र देवो भवह्ल के संदेश को उनके सामने रखा गया और उन्हें भी इस राष्ट्रीय कार्य से जोड़ने का प्रयास किया गया।

गुजरात का वो मंदिरों का जहां रात में रुकना है मना

भारत का गुजरात राज्य अपने आप में ही अनोखा और समृद्ध माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि गुजरात के भावनगर जिले में शत्रुंजय पहाड़ियों की गोद में बसा पालिताणा एक ऐसी अनोखी जगह है। जिसको मंदिरों के शहर के नाम से जाना जाता है। पूर्व में यह स्थान पादलिप्तपुर नाम से फेमस था। यह शहर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए अटूट आस्था का केंद्र माना जाता है। इस जगह की खासियत यह है कि यहां पर 800 से ज्यादा संगमरमर के मंदिर मौजूद हैं। इसी वजह से इसको मंदिरों का शहर कहा जाता है। तो आइए जानते हैं गुजरात के पालीताणा मंदिर की खासियत के बारे में.

यहां हैं 800 से ज्यादा भव्य मंदिर माना जाता है कि जैन धर्म के लोगों में अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार इन मंदिरों के दर्शन करना निर्वाण या फिर मोक्ष के लिए जरूरी है। शत्रुंजय पहाड़ी पर स्थित यह स्थल इतना अधिक विशाल और भव्य है कि यहां पर करीब 836 संगमरमर से तराशे मंदिर हैं।

इन मंदिरों तक पहुंचने का सफर भी किसी तपस्या से कम नहीं माना जाता है। क्योंकि मुख्य मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को करीब 3500 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यह जगह इसलिए भी खास है, क्योंकि मान्यता के हिसाब से 24 में से 23 तीर्थकरों ने यहां आकर इस अपनी उपस्थिति से इस पहाड़ी को पावन किया था।

रात को रुकना है मना

पालिताणा की सबसे अनोखी बात को जानकर आपको हैरानी होगी। दरअसल, यह स्थान पूरी तरह से देवताओं का निवास स्थान माना गया है। यही वजह है कि यहां पर सूर्यास्त के बाद किसी भी इंसान को रात गुजारने की अनुमति नहीं है। यहां तक कि मंदिर की सेवा करने वाले पुजारियों को भी यहां पर रात में रुकने की मनाही है। सदियों से यह परंपरा इस स्थान की दिव्यता और पवित्रता को बनाए रखने के लिए चली आ रही है।

जानें धार्मिक महत्व

बता दें कि पहाड़ी पर बना मुख्य मंदिर प्रथम तीर्थकर ऋषभदेव जी को समर्पित है। यह श्वेतांबर मूर्तिपूजक संप्रदाय के लिए सबसे अधिक पवित्र स्थान माना जाता है। हालांकि यहां पर दिगंबर जैन समुदाय का भी एक मंदिर है। यह पूरा क्षेत्र न सिर्फ धार्मिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है, बल्कि यह अपनी अद्भुत नक्काशी और वास्तुकला के लिए भी पूरी दुनिया में जाना जाता है।

ऐसे पहुंचें पालिताणा

अगर आप भी इस पावन नगरी की यात्रा करना चाहते हैं, तो बता दें कि यहां तक पहुंचना बेहद आसान है।

यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा भावनगर एयरपोर्ट है। जोकि पालिताणा से सिर्फ 55 किमी दूर पर स्थित है।

वहीं अगर आप ट्रेन से आना चाहते हैं, तो ये शहर भावनगर और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों से रेल से अच्छे से जुड़ा है।

वहीं गुजरात के सभी प्रमुख शहरों से पालिताणा के लिए बेहतरीन सड़क कनेक्टिविटी भी मौजूद है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची, (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :***

जिला स्तरीय नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक

नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के साथ सघन कार्रवाई का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज: उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की अवैध खरीद-बिक्री भंडारण, परिवहन व तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण, नशामुक्ति अभियान को गति देने तथा युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखने को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर जीरो टॉलरेंस

बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पूर्व में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई में और

अधिक प्रभावशीलता एवं समन्वय लाने का निर्देश दिया।सभी अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को गांजा, अवैध कफ सिरप सहित अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध सघन एवं औचक छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। साथ ही अवैध कारोबार से जुड़े नेटवर्क की पहचान कर उसके विरुद्ध प्रभावी एवं विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

आदतन अपराधियों पर होगी कड़ी कार्रवाईः उपायुक्त ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में बार-बार संलिप्त पाए जाने वाले आदतन अपराधियों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

शिक्षण संस्थानों के आसपास विशेष निगरानीः उपायुक्त ने कहा कि युवाओं और स्कूली बच्चों को नशे से बचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए विद्यालयों, +2 उच्च विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के आसपास विशेष सतर्कता बरतने, नियमित निगरानी एवं औचक निरीक्षण करने तथा नशीले पदार्थों की बिक्री पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।शैक्षणिक संस्थानों के निर्धारित दायरे में आने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं दुकानदारों से निर्धारित प्रपत्र में स्व-घोषणा पत्र भरवाने का निर्देश दिया गया कि उनके प्रतिष्ठान से किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों की बिक्री नहीं की जा रही है। जबकि सीमावर्ती एवं दियारा क्षेत्रों पर विशेष नजर रखे।

जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों एवं विशेषकर दियारा क्षेत्रों के माध्यम से मादक पदार्थों के संभावित अवैध परिवहन को रोकने के लिए सूचना तंत्र को मजबूत करने तथा निरंतर औचक निरीक्षण एवं निगरानी अभियान चलाने का निर्देश अनुमंडल प्रशासन एवं पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया। जागरूकता से बनेगा नशामुक्त समाजः उपायुक्त ने शिक्षा विभाग को जिले के +2 उच्च विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में व्यापक नशामुक्ति जन-जागरूकता अभियान संचालित करने का निर्देश दिया, ताकि युवाओं तक नशे के दुष्परिणाम एवं स्वस्थ जीवनशैली का सकारात्मक संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। समन्वित प्रयास से बनेगा नशामुक्त साहिबगंजः उपायुक्त ने कहा कि नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल प्रशासन या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ प्रवर्तन, निगरानी, जागरूकता एवं नशामुक्ति से संबंधित गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि सख्त कार्रवाई, सतत निगरानी और व्यापक जन-जागरूकता के समन्वित प्रयास से ही साहिबगंज को नशे के दुष्प्रभावों से मुक्त एवं युवाओं के लिए सुरक्षित जिला बनाया जा सकता है। बैठक में अपर समाहर्ता विजय कुमार, प्रभारी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास, जिला शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, मुख्यालय डीएसपी रविकांत साह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साहिबगंज सुशील कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल विमलेश त्रिपाठी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरहरवा नितिन खंडेवाला सहित संबंधित जिला एवं पुलिस प्रशासन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

साहिबगंज विवि के जिरवाबाड़ी शाखा में दो दिवसीय रक्षाबंधन कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता

साहिबगंज: प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय साहिबगंज के जिरवाबाड़ी शाखा में दो दिवसीय रक्षाबंधन का कार्यक्रम आज सम्पन्न हुआ।गुरुवार को संस्था से जुड़े सैकड़ो भाई,बहनों ने बहुत ही उमंग-उत्साह और आध्यात्मिक तरीके से रक्षाबंधन मनाया।वही कार्यक्रम के अंतिम दिन शहर के मुख्य और गणमान्य लोगों के लिए रक्षाबंधन का कार्यक्रम आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के लिए विशेष रूप से कोलकाता बारानगर सेवा केंद्र की प्रभारी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी किरण दीदी उपस्थित रही।किरण दीदी ने बताया की रक्षाबंधन का अर्थ ही होता है-'रक्षा के लिए बंधन'।हालांकि बंधन किसी को भी प्रिय नहीं होता है परंतु यहां इसका अर्थ यही है कि अपनी उन आसुरी प्रवृत्तियों से रक्षा के लिए मयार्दाओं के बंधन में बंधना,जिसके कारण हमें कई प्रकार की समस्याओं का सामना

करना पड़ता है।वास्तव में यह बंधन नहीं बल्कि स्वतंत्रता है क्योंकि जो व्यक्ति आसुरी शक्तियों से मुक्त है वह इस दुनिया में सबसे स्वतंत्र है।मनुष्य आत्माओं को आसुरी शक्तियों से रक्षा करना तथा दैवी शक्तियों का आवाहन करना ही इस रक्षाबंधन का उद्देश्य है। साहिबगंज सेवा केंद्र की प्रभारी बिंदु दीदी ने कहा कि रक्षाबंधन में पूरे विश्व को एकता के सूत्र में बांधने की ताकत है। रक्षाबंधन का पर्व धागे का है परंतु बहुत शक्तिशाली है।कार्यक्रम में मुख्य रूप से चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल के आलवे चैंबर्स के कई सदस्य,बार एसोसिएशन के सेक्रेटरी विजय कर्ण,सीनियर एडवोकेट सूर्यनारायण यादव,माखन लाल यादव, सेवानृवित शिक्षक सच्चिदानंद मिश्रा,आरएसएस के नीतीश कुमार,मारवाड़ी महिला समिति की खुशबू भगत,डॉ पूनम,डॉ अजय कुमार,राजेश सिंह,डॉ श्रीजा कृष्णा,डॉ आरसी पंडित,चिकित्सा विभाग से कई डॉक्टर और नर्स,वार्ड पार्षद अमित गुप्ताबिजय पासवान,प्रदीप तांती,गुडु,शिक्षा विभाग से स्कूल के प्रधानाध्यापक रिटायर्ड इंजीनियर रतन सिन्हा सहित कई शिक्षक भी उपस्थित रहे। अतिथियों को ब्रह्माकुमारी बहनों ने आत्मिक स्मृति का तिलक लगाया,परमात्मा के स्मृति चिन्ह की राखी बांधी।अंत में सभी अतिथियों को केंद्र की उप-संचालिका नीतू दीदी ने मेडिटेशन कराया।

सोती चौकी पांगड़ो में व्याप्त मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर छात्र-छात्राओं में भारी आक्रोश

– समाहरणालय के समक्ष धरना देकर अपनी समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया था

संवाददाता

सांहिबगंज: जिले के उत्क्रमित उच्च विद्यालय सोती चौकी पांगड़ो में व्याप्त मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर छात्र-छात्राओं में भारी आक्रोश है।विद्यालय की बदहाल व्यवस्था से परेशान सैकड़ों विद्यार्थियों ने हाल ही में जिला समाहरणालय के समक्ष धरना देकर अपनी समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया था।छात्रों का आरोप है कि परीक्षा के दौरान उन्हें प्रश्नपत्र तक उपलब्ध नहीं कराया गया।जिससे शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।वही छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कोकरोज जनता पार्टी सीजेपी ने स्कूल ठीक करो आंदोलन के तहत सीजेपी के झारखंड कोऑर्डिनेटर आशुतोष रंजन के नेतृत्व मे चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल विद्यालय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय पहुंचकर छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय प्रबंधन से बातचीत की और वहां की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। प्रतिनिधिमंडल

मे सीजेपी के पूजा यादव,राजकुमार दास सूरज हाँसदा सहित अन्य लोग थे।वही सीजेपी के झारखंड कोऑर्डिनेटर आशुतोष रंजन ने कहा कि विद्यालय में बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण बच्चों में काफी आक्रोश है।उन्होंने कहा,हृशिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। बच्चों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रखा जा सकता।कहा यदि समय रहते प्रशासन ने विद्यालय की समस्याओं का समाधान नहीं किया,तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।सीजेपी ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सोती चौकी पांगड़ो स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता परीक्षा संचालन की उचित व्यवस्था तथा अन्य सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं तत्काल सुनिश्चित की जाएं। पार्टी ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही का सीधा असर विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ता है इसलिए प्रशासन को इस मामले में गंभीरता से पहल करनी चाहिए। वहीं,विद्यालय प्रबंधन की ओर से प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया गया कि छात्रों की आवश्यक सुविधाओं को जल्द से जल्द उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।कार्यक्रम के दौरान सीजेपी कार्यकर्ता वीरू ने छात्र-छात्राओं को उनके संवैधानिक अधिकारों की जानकारी दी तथा अपनी समस्य

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने प्लासबोना पंचायत का किया क्षेत्र भ्रमण

विभिन्न टोले-मोहल्लों में पहुंचकर ग्रामीणों की सुनीं समस्याएं

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाः प्रखंड अंतर्गत प्लासबोना पंचायत में शुक्रवार को पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने क्षेत्र भ्रमण कर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं से रूबरू हुए।इस दौरान उन्होंने पंचायत के विभिन्न टोले-मोहल्लों में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा क्षेत्र की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया। क्षेत्र भ्रमण के क्रम में

पूर्व मंत्री ने राजा दिग्घी,पुरब टोला,बड़तल्ला तथा दुधी में ग्रामीणों एवं कांग्रेस कार्यकताओं से मुलाकात की।विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों ने स्थानीय समस्याओं और विकास से जुड़ी आवश्यकताओं को उनके समक्ष रखा। आलमगीर आलम ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कहा कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं एवं आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित स्तर पर उठाया जाएगा। उन्होंने समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन भी दिया।क्षेत्र भ्रमण के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी रही। पूर्व मंत्री से सीधे मिलकर अपनी समस्याएं रखने को लेकर ग्रामीणों में उत्साह देखा गया। मौके पर जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू,प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास मुरसलीन खान,दिलदार,फिरोज अहमद ज म ा ि र ु ल ा हेदातुल्लाह,अलमगीर,ईशहाक,नेहाल ा अख्तर,रमजान अली,सारिक रब्बानी,सफीकुल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

मीटर रीडिंग किए बिना 70 हजार से अधिक का बिजली बिल

साहिबगंज/उधवा: राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तर पलाशगाछी पंचायत के एक बिजली उपभोक्ता ने बिना मीटर की वास्तविक रीडिंग लिए जुलाई माह का 70 हजार रुपये से अधिक का बिजली बिल जारी किए जाने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर उपभोक्ता बरकत शेख ने विद्युत कार्यपालक अभियंता को आवेदन देकर बिल की जांच और सुधार की मांग की है। आवेदन में बरकत शेख ने बताया कि उनका कंज्यूमर आईडी पीएलजीडीएस 00125, अकाउंट नंबर 61232486016 और मीटर नंबर 422876 है। उनका कहना है कि वह नियमित रूप से समय पर बिजली बिल का भुगतान करते आ रहे हैं।

सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता परखी गई

संवाददाता

साहिबगंजःउपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी साहिबगंज के निदेर्शानुसार अपर समाहर्ता विजय कुमार ने आज सदर अस्पताल, साहिबगंज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं मरीजों को प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओं तथा अस्पताल की समग्र व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना था।औचक निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों

ओपीडी आपातकालीन सेवाओं दवा वितरण जांच व अन्य प्रमुख चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता साफ-सफाई, मरीजों की सुविधा, चिकित्सकीय सेवाओं की उपलब्धता तथा आवश्यक संसाधनों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से अस्पताल में आने वाले मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा मरीजों एवं उनके परिजनों से भी बातचीत कर चिकित्सा सुविधा, दवा, जांच एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया।अपर समाहर्ता ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को सम्मानजनक व्यवहार के साथ समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने तथा मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं आमजनों से सीधे जुड़ी हुई हैं और सरकारी अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज, आवश्यक दवाएं एवं जांच की सुविधा सुचारू रूप से मिले, इसे लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार की संभावनाओं को चिन्हित करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर बल दिया।

न्यूज IN ब्रीफ

पुलिस ने देर रात फुदकीपुर गोहलवाड़ी क्षेत्र में छापेमारी कर नूर मोहम्मद को किया गिरफ्तार

साहिबगंज/उधवा :सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक फोटो-वीडियो प्रसारित करने मारपीट और धमकी देने के आरोप से जुड़े मामले में राधानगर थाना पुलिस ने एक और नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने देर रात फुदकीपुर गोहलवाड़ी क्षेत्र में छापेमारी कर नूर

मोहम्मद को गिरफ्तार किया। वह मामले में नामजद आरोपी और पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी हबीबुर शेख का पिता बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार एक विवाहिता ने राधानगर थाना में लिखित शिकायत देकर अपने पति हबीबुर शेख पर आपत्तिजनक फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का आरोप लगाया था। शिकायत में पति हबीबुर शेख ससुर नूर मोहम्मद समेत अन्य लोगों को नामजद किया गया था। महिला ने मारपीट और धमकी देने का आरोप भी लगाया था।शिकायत के आधार पर राधानगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्राथमिकी में डीपी एक्ट की धारा 3/4 के साथ आईटी एक्ट की धारा 66 ई एवं 67 ए के तहत कार्रवाई की गई है। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 31 जुलाई को फुदकीपुर गोहलवाड़ी निवासी हबीबुर शेख को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। इसके बाद पुलिस अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही थी। इसी क्रम में राधानगर थाना पुलिस को नूर मोहम्मद के संभावित ठिकाने की जानकारी मिली। थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रात छापेमारी की और नूर मोहम्मद को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। शुक्रवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नॉन-ऑफिशियल डायरेक्टर बने भाजपा नेता भाजपा गणेश तिवारी

साहिबगंज :भारत सरकार ने कृषि बीमा कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड के बोर्ड में नॉन-ऑफिशियल डायरेक्टर के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश तिवारी को

नियुक्त किया। वही भाजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र पोद्दार को भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के निदेशक मंडल में गैर सरकारी निदेशक नियुक्त किया गया।दोनों नेता के घर पर पार्टी नेता पहुंचकर ओर दूरभाष व सोशल मीडिया के जरिय बधाई देने का सिलसिला जारी है। वही गणेश तिवारी व महेंद्र पोद्दार ने भारत सरकार व भाजपा पार्टी नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त किया ओर कहा कि यह दायित्व मेरे लिए केवल एक पद नहीं,बल्कि विश्वास,जिम्मेदारी और जनसेवा का अवसर है।इस महत्वपूर्ण भूमिका में किसानों के हितों,कृषि क्षेत्र की मजबूती तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का प्रयास करूंगा।इस विश्वास और जिम्मेदारी के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व,प्रदेश नेतृत्व एवं सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार।

अकेले नहीं हैं आप के तहत शिविर का आयोजन

समाज में वृद्धों की उपेक्षा निंदनीय है, हमें वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए

साहिबगंज :झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशन में और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश -सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार अखिल कुमार के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर साहिबगंज गंगा विहार पार्क स्थित वृद्धाश्रम में वरिष्ठजनों के लिए अकेले

नहीं हैं।आप के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने संबोधित करते हुए कहा कि बुजुर्ग हमारे अस्तित्व हैं। इनके नाम से ही आज हमारा नाम है। यदि ये नहीं होते तो हम भी नहीं होते। इनके होने से ही हमारा सब कुछ है। हमें वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए। उनके अनुभवों को आत्मसात कर लाभान्वित होना चाहिए। उन्होंने बताया कि आप अकेले नहीं हैं आपके साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार है। मैं भी आप सब का बेटा हूँ जीवन के अनुभव और जीवन की शिक्षा बहुत जरूरी है और इस के लिए हमारे बुजुर्गों से अच्छी कोई किताब नहीं हैं । बड़े- बुजुर्गों का आशीर्वाद और स्नेह ही हुमलोगों की ताकत है। बुजुर्ग हमारे पथ-प्रदर्शक होते हैं जिनके सानिध्य में रहकर हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि आज जो हमारी प्राचीन सभ्यता थी, उसका ह्रास होते जा रहा है। इसमें दोष हमारा नहीं है बल्कि पश्चिमी संस्कृति का दोष है और जिसका अंधाधुन अनुसरण करने की होड़ में हम लगे हुए हैं। बगैर कुछ सोचे-समझे हम भी दूसरों की देखा -देखी एकल परिवार प्रणाली को अपनाकर अपनों से ही किनारा कर रहे हैं । समाज में वृद्धों की उपेक्षा बहुत ही निंदनीय है हमें वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए।इस अवसर पर आश्रम में रह रहे सभी वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य पर विचार कर ठीक से देखभाल करने के लिए कहा गया। उनके मनोरंजन के स्रोतों की व्यवस्था करने की आवश्यकता जताई गई। प्राधिकार की ओर से वृद्धाश्रम के सभी वरिष्ठ नागरिकों को खाद्य सामग्री वितरित किया गया।

संचालित विभिन्न आवास योजनाओं की प्रगति की समीक्षात्मक बैठक

आवास योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने का निर्देश

साहिबगंज :उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में आज साहिबगंज प्रखंड में संचालित विभिन्न आवास योजनाओं की प्रगति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड

विकास पदाधिकारी बासुकीनाथ टुडू, प्रखंड समन्वयक व सभी आवास प्रभारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में आवास योजनाओं के क्रियान्वयन की पंचायतवार समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने लाभुकों के आवास निर्माण से संबंधित विभिन्न इंडिकेटर्स में प्रगति, लंबित कार्यों तथा योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी ली।उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक पंचायत में आगामी एक सप्ताह के भीतर सभी इंडिकेटर्स में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करें। साथ ही लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने पात्र लाभुकों को योजनाओं का समय पर लाभ उपलब्ध कराने तथा आवास निर्माण की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होने देने का निर्देश दिया गया।उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट किया कि आवास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन प्रशासन की प्राथमिकता है।ताकि जरूरतमंद परिवारों को समय पर पक्का एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने सभी आवास प्रभारियों को नियमित अनुश्रवण एवं क्षेत्र भ्रमण करते हुए कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में संबंधित पदाधिकारियों को जवाबदेही समयबद्धता व गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के साथ लक्ष्य प्राप्त करने पर विशेष जोर दिया गया।

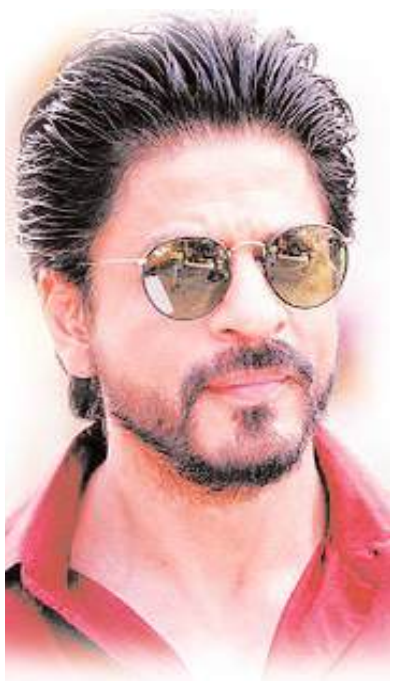

क्या अल्लू अर्जुन की 'राका' का हिस्सा नहीं होंगे शाहरुख खान

हाल ही में सोशल मीडिया पर यह खबरें आईं कि अपकमिंग फिल्म 'राका' में शाहरुख खान कैमियो करेंगे। हालांकि, एक नई रिपोर्ट ने इन दावों को खारिज कर दिया है और कहा है कि बॉलीवुड सुपरस्टार इस प्रोजेक्ट से नहीं जुड़े हैं। अफवाहें थीं कि शाहरुख 'राका' में एक खास रोल में दिखेंगे।

'राका' का हिस्सा नहीं किंग

बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक ये खबरें गलत हैं। शाहरुख खान 'राका' का हिस्सा नहीं हैं और फिल्म में उनका कोई कैमियो नहीं है। भले ही एटली के साथ शाहरुख के रिश्ते उनकी फिल्म 'जवान' की बड़ी सफलता के बाद से मजबूत हुए हैं, लेकिन एक्टर को यह प्रोजेक्ट कभी ऑफर ही नहीं किया गया।

अल्लू के साथ नहीं दिखेंगे शाहरुख

शाहरुख और अल्लू अर्जुन के फैंस इन दोनों एक्टर्स को स्क्रीन पर एक साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालांकि, ऐसा लगता है कि अब ऐसा कुछ नहीं होने वाला है।

क्या विदेश में शूट करने वाले थे शाहरुख?

पहले खबर आई थी कि टीम विदेश में शूटिंग के दौरान शाहरुख के खास रोल को शूट करने के बारे में सोच रही थी। मगर अब पता चल रहा है कि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

फिल्म की स्टारकास्ट

एटली के निर्देशन में बन रही यह फिल्म बहुत बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है। यह एक साइंस-फिक्शन एंटरटेनर फिल्म है। उम्मीद है कि फिल्म में अल्लू अर्जुन कई रोल में दिखेंगे, जबकि दीपिका पादुकोण फीमेल लीड रोल में होंगी। खबरों से यह भी पता चलता है कि मृणाल ठाकुर, जाह्नवी कपूर, रश्मिका मंदाना, राम्या कृष्णन, योगी बाबू और जिम सरभ को अहम रोल के लिए कास्ट किया गया है।

दीपिका के शूट पर फोकस

बताया जाता है कि एटली दीपिका के हिस्से की शूटिंग पूरी करने को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि वह अगले महीने मैटरनिटी ब्रेक पर जा रही हैं। उम्मीद है कि इस फिल्म की शूटिंग साल के आखिर तक पूरी हो जाएगी। इसे 2027 के आखिर में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।

शादी को लेकर बोलीं हुमा कुरैशी

शादी जब होनी होगी...

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'महारानी' फेम एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने शादी को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। जानिए एक्ट्रेस कब करने वाली हैं शादी। इंटरव्यू में हुमा कुरैशी ने शादी को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने हंसते हुए कहा कि शादी के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'आप और मेरी मम्मी दोनों एक ही सवाल पूछते हैं। मेरे पास अभी इसका कोई जवाब नहीं है कि शादी कब होगी। शादी जब होनी होगी तब हो जाएगी। फिलहाल मेरे पास बहुत काम है। ये साल मेरे लिए काफी व्यस्त है और अभी मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान दे रही हूं।'

कियारा का किया था समर्थन

बता दें कि हुमा अपने बेबाक जवाबों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में फिल्म 'टॉक्सिक' में इंटिमेट सीन करने के लिए ट्रोल हो रहीं कियारा को लेकर भी हुमा ने अपनी बात रखी थी। युवा के शो 'बी ए मैन यार' में बातचीत के दौरान निखिल तनेजा ने यह मुद्दा उठाया कि कियारा को यश से ज्यादा ट्रोल किया जा रहा है। इस पर हुमा ने कहा, 'ये बहुत बीमार है, घिनौना है। लेकिन मुझे लगता है कि इस फिल्म की महिलाएं आखिर में हंसेंगी। हर चीज को डिफेंड करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि आप शब्दों से लोगों की सोच नहीं बदल सकते। मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे।'

इस फिल्म में नजर आएंगी हुमा

बता दें कि हुमा आने वाले समय में फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और यह 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और हुमा कुरेशी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे। इससे पहले हुमा 'बेबी डू डाई डू' में नजर आई थीं।

मेरी सफलता का श्रेय पति करण को जाता है, हर कदम पर दिया साथ

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री सुरभि चंदना पति के साथ पिछले कई समय से शादी के बंधन में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि करियर के हर पड़ाव पर पति उनके लिए बड़ा सपोर्ट बनकर सामने आए। साथ ही, जरूरत बनने पर परिवार के खास मौकों का भी त्याग किया। अभिनेत्री ने बताया कि दोनों 21 साल की उम्र से एक-दूसरे के साथ हैं। अब हम दोनों 36 साल के हो गए हैं। हमने साथ में सब कुछ देखा है। असल में हम साथ-साथ में ही बड़े हुए हैं।' एक्ट्रेस ने बताया कि इन वर्षों में दोनों ने एक-दूसरे की पर्सनल और प्रोफेशनल कामयाबियां देखी हैं। उन्होंने मुझे एमबीए करते हुए देखा, मैंने उन्हें लंदन में एमबीए करते हुए देखा। फिर मैं एक्ट्रेस बनी। उन्होंने मेरी पूरी एक्टिंग यात्रा को देखा है।'

सुरभि चंदना ने बताया कि कैसे पति करण उनके साथ ऑडिशन में साथ जाया करते थे और जब वह अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश कर रही होती थीं, तो वह सब्र के साथ उनका इंतजार करते थे। उन्होंने बताया, 'करण मुझे ऑडिशन में ले जाया करते थे। मैं लाइन में खड़ी रहती थी और वह कार में मेरा इंतजार किया करते थे। ऐसे में करण ने अपने परिवार के कई जरूरी सेलिब्रेशन तक छोड़े हैं, क्योंकि उनके लिए मेरा ऑडिशन ज्यादा जरूरी होता था।' अभिनेत्री ने कहा, 'मेरी कामयाबी का श्रेय करण को जाता है। बेशक, मेरी मां भी मुझे ऑडिशन के लिए ले जाती थीं, लेकिन करण इस यात्रा के हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं। आज भी अगर हम कुछ बड़ा हासिल कर लेते हैं, तो हम साथ मिलकर उसे सेलिब्रेट करते हैं। यह हमेशा से छोटा सेलिब्रेशन होता है, कभी कोई बड़ी पार्टी नहीं होती। हां, हमें घूमना-फिरना पसंद है, लेकिन उससे भी ज्यादा हमें खाना पसंद है। इसलिए हम डेट नाइट प्लान करते हैं। कभी-कभी हम मॉस्को में सेलिब्रेट करते हैं, कभी मालदीव में, तो कभी मलेशिया में। हमने कड़ी मेहनत की है और पैसे कमाए हैं, इसलिए हम ऐसा कर सकते हैं।'

क्या आरडी बर्मन की बायोपिक में नजर आएंगे इमरान हाशमी

आरडी बर्मन की बायोपिक को लेकर दर्शकों में उत्साह है। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर खूब अटकलें लग रही हैं। बीते दिनों कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए गए कि अभिनेता इमरान हाशमी फिल्म से जुड़ गए हैं। वे पंचम दा के करीबी दोस्त और मशहूर एक्टर-सिंगर व कॉमेडियन महमूद की भूमिका निभाते नजर आएंगे। मगर, इन खबरों का इमरान हाशमी ने खंडन कर दिया है।

इमरान हाशमी ने क्या कहा

इमरान हाशमी ने बीती रात अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि वे बायोपिक में काम नहीं कर रहे हैं। आरडी बर्मन की बायोपिक में महमदू की भूमिका निभाने संबधी खबरों को लेकर इमरान हाशमी ने लिखा है कि 'मैं साफ कर दूं कि एक बायोपिक में मेरे महमूद साहब की भूमिका निभाने की खबरें सच नहीं हैं'। 'न तो मुझे इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है और न ही मैं यह फिल्म कर रहा हूं'। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि आर.डी. बर्मन की बायोपिक में एक्टर इमरान हाशमी की एंट्री हो गई है। वे एक्टर, सिंगर और फिल्ममेकर महमूद का रोल निभाएंगे, जिनकी उस महान म्यूजिक कंपोजर के साथ गहरी दोस्ती और क्रिएटिव बॉन्ड था। मगर, इमरान हाशमी की प्रतिक्रिया के बाद साफ है कि इन खबरों में सच्चाई नहीं है।

आउटसाइडर कहे जाने पर छलका काजल राघवानी का दर्द

भोजपुरी अभिनत्री काजल राघवानी भोजपुरी सिनेमा जगत का चर्चित नाम हैं। उन्होंने 80 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम किया है। फिलहाल वे रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने ऐसे लोगों को जवाब दिया है, जो उन पर आरोप लगाते हैं कि वे खुद को 'गुजराती' और 'आउटसाइडर' बताकर काम मांगती हैं। काजल राघवानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया कि आखिर किसने उन्हें 'आउटसाइडर' कहा है? मगर, एक लंबा नोट लिखकर जवाब दिया है। उनका दर्द इस बात को लेकर छलका है कि कुछ लोग उन पर यह आरोप लगाते हैं कि वे आउटसाइडर होने का विक्टिम कार्ड प्ले करती हैं।

मुझे लगता है कि मैं यहीं की हूं

साझा किए गए पोस्ट में काजल लिखती हैं, 'मैं गुजराती हूं। मैं बाहरी हूं। मैं रो-रोकर काम मांगती हूं या सहानुभूति ले रही हूं। दर्शकों से ये जितना मैंने नहीं बोला, उससे ज्यादा मुझे सुनाया गया या कुछ दिनों में महसूस करवाया गया उसके लिए बस इतना कहूंगी कि अगर मैंने कहीं बोला है तो ये कहा है ये मेरी कर्म भूमि है या मैं हमेशा प्रयास करूंगी इस इंडस्ट्री का या उन जनता का, जिसने मुझे इतना प्यार देकर यहां तक पहुंचाया। मुझे लगता है कि मैं यहीं की हूं। यहां हर चीज अपनी है'।

मुझे सुनाना बंद करिए कि मैं गुजराती हूं

काजल राघवानी ने आगे लिखा है, '16 साल भोजपुरी इंडस्ट्री में काम करके एक बात कहूंगी कि अगर मैंने यहां की जनता या यहां की मिट्टी को यहां की धरती को या इंडस्ट्री को अपनाया नहीं होता, अपना नहीं माना होता तो इतने साल से इंडस्ट्री में हूं, वह रह ही नहीं पाती। ना कोई मुझे काम देता तो मुझे ये सुनाना बंद करिए कि मैं गुजराती हूं। आउटसाइडर का विक्टिम कार्ड प्ले कर रही हूं या सहानुभूति हासिल करके काम ले रही हूं। रो-रो कर वो भी। मैं तो नहीं मान रही, लेकिन मुझे ये अब महसूस जरूर करवाया जा रहा है, क्योंकि आप लोग यूपी बिहार से हैं।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स की शानदार जीत, आउटर दिल्ली वॉरियर्स को सात विकेट से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली : गेंदबाजों और मध्यक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में शनिवार देर रात आउटर दिल्ली वॉरियर्स को सात विकेट से हरा दिया। राइडर्स ने 135 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आउटर दिल्ली वॉरियर्स की टीम 19.1 ओवर में 134 रन पर ऑलआउट हो गई। ईस्ट दिल्ली के गेंदबाजों ने शुरूआत से ही दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए। एक समय आउटर दिल्ली की टीम 68 रन पर सात विकेट गंवा चुकी थी। हर्ष त्यागी ने 33 गेंदों पर 36 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला और पूरी टीम 134 रन पर सिमट गई।

ईस्ट दिल्ली की ओर से मयंक यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट लिए। आशीष मीणा ने भी तीन विकेट हासिल किए और 25 रन दिए। सिमरजीत सिंह ने चार ओवर में 20 रन देकर दो विकेट झटके। 135 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ईस्ट दिल्ली राइडर्स की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही और टीम ने कुछ विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद काव्या गुप्ता और वैभव बैसला ने मोर्चा संभालते हुए पारी को मजबूती दी। दोनों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 71 रन की साझेदारी कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। काव्या गुप्ता 32 गेंदों पर 48 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि वैभव बैसला ने 23 गेंदों पर नाबाद 32 रन की पारी खेली।

नीरज चोपड़ा का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, लुसाने डायमंड लीग में 88.05 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर

एजेंसी

लुसाने : भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को लुसाने डायमंड लीग में सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 88.05 मीटर का थ्रो किया, लेकिन वह खिताब जीतने से महज नौ सेंटीमीटर से चूक गए। श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने 88.14 मीटर के थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया।

ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर उतरे नीरज ने पहले प्रयास में 83.54 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद दूसरे प्रयास में उन्होंने 88.05 मीटर की दूरी तय कर सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दूसरे दौर के बाद नीरज शीर्ष पर चल रहे थे। नीरज का यह पिछले साल जून में पेरिस डायमंड लीग के बाद पहला 88 मीटर से अधिक का थ्रो भी रहा। हालांकि, राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पथिरागे ने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर का थ्रो कर नीरज को पीछे छोड़ दिया। दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन में महज नौ सेंटीमीटर का अंतर रहा, लेकिन यह अंतर पथिरागे के लिए खिताब जीतने के लिए पर्याप्त साबित हुआ। यह इस साल डायमंड लीग में पथिरागे की तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने रोम और दोहा में भी खिताब जीता था। इस परिणाम के साथ पथिरागे के खिलाफ नीरज का आमने-सामने का रिकॉर्ड 0-3 हो गया है। अब नीरज की नजर आगामी एशियाई खेलों पर होगी, जहां वह सत्र का अपना पहला खिताब जीतकर वापसी करना चाहेंगे।

फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाड़ी से भिड़ने पर मेसी पर लगा जुमार्ना

एजेंसी

मियामी : इंटर मियामी के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी पर मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाड़ी क्विन सुलिवन के साथ शुक्रवार को मैदान पर हुई झड़प के मामले में अज्ञात राशि का जुमार्ना लगाया है। मेसी के इंटर मियामी साथी इयान फ्रे पर भी जुमार्ना लगाया गया है। यह घटना मैच के अतिरिक्त समय के 11वें मिनट में हुई, जब मेसी गेंद के खेल में होने के दौरान क्विन सुलिवन का सामना करने के लिए सेंटर सर्किल की ओर पहुंचे। दोनों के बीच कुछ देर बातचीत हुई, जिसके बाद मेसी ने सुलिवन की गर्दन के पीछे हाथ मारा।

एमएलएस की अनुशासन समिति ने कहा कि मेसी और फ्रे पर ह्लविपक्षी खिलाड़ी के चेहरे, सिर या गर्दन पर हाथ लगाने संबंधी लीग की नीति का उल्लंघनह्व करने के लिए जुमार्ना लगाया गया है। घटना के दौरान मेसी और सुलिवन को रेफरी ने कोई कार्ड नहीं दिखाया। हालांकि, मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प में फिलाडेल्फिया के क्विन के छोटे भाई और टीम साथी कैवन सुलिवन तथा इंटर मियामी के मिडफील्डर यानिक ब्राइट को लाल कार्ड दिखाया गया। बाद में स्वतंत्र समीक्षा पैनल ने सर्वसम्मति से कैवन सुलिवन के पक्ष में फैसला दिया और उनका लाल कार्ड रद्द कर दिया गया। इसके बाद वह शनिवार को फिलाडेल्फिया यूनियन के अगले मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे।

चेस्टर के सुबारू पार्क में खेला गया यह मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मेसी ने 26वें मिनट में गोल कर इंटर मियामी के लिए अहम योगदान दिया।

भोपाल के दीपशिखा हॉस्पिटल में आग से मची अफरा-तफरी

इमरजेंसी वार्ड में शॉर्ट सर्किट से भड़की आग, 21 मरीज सुरक्षित रेस्क्यू

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बागसेवनिया थाना क्षेत्र के विद्यानगर स्थित दीपशिखा हॉस्पिटल में शुक्रवार रात इमरजेंसी वार्ड में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग ग्राउंड फ्लोर पर लगी, जबकि धुआं अस्पताल के ऊपरी हिस्सों तक फैल गया। सूचना मिलते ही बागसेवनिया पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और पास के सहारा अस्पताल में शिफ्ट कराया गया। घटना में किसी मरीज, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है।

पुलिस के मुताबिक, अस्पताल के बाहर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने परिसर से धुआं निकलते देखा। उन्होंने तत्काल अस्पताल स्टाफ को सूचना दी।

इसके बाद बागसेवनिया थाने से एएसआई वीर मणि पांडे पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। घटना के समय अस्पताल में भर्ती 21 मरीजों की सुरक्षा पुलिस और अस्पताल स्टाफ के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी। इनमें आइसीयू के 5-6 मरीजों के साथ सिजेरियन डिलीवरी के बाद भर्ती महिलाएं भी शामिल थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सबसे पहले मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों से निकाले मरीज

आग ग्राउंड फ्लोर के इमरजेंसी कक्ष में लगी थी और धुआं अस्पताल के ऊपरी हिस्सों तक पहुंच गया था। बिजली सप्लाई बंद होने के कारण लिफ्ट का इस्तेमाल करना संभव नहीं था। ऐसे में पुलिस और अस्पताल स्टाफ ने सीढ़ियों के रास्ते मरीजों को बाहर निकाला। करीब 15 पुलिसकर्मियों ने लगातार रेस्क्यू में जुटकर एक-एक कर सभी मरीजों को बाहर निकाला। सीढ़ियों वाले हिस्से में पर्याप्त जगह और खिड़कियां होने के कारण धुआं ऊपर की ओर निकलता रहा। इससे रेस्क्यू टीम को मरीजों को बाहर निकालने में कुछ राहत मिली। क्छव के मरीजों और ऑपरेशन के बाद भर्ती महिलाओं को विशेष सावधानी से बाहर निकाला गया।

इलेक्ट्रिकल बोर्ड में शॉर्ट सर्किट की आशंका

प्रारंभिक पुलिस जांच में आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। आग ग्राउंड फ्लोर स्थित इमरजेंसी कक्ष में डॉक्टरों के बैठने की जगह के पास लगे इलेक्ट्रिकल बोर्ड में लगी। बोर्ड में कई स्विच लगे थे। आशंका है कि बोर्ड के अंदर किसी वायर में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे आग भड़की। बोर्ड के पास प्लाई की अलमारियां और अन्य सामान रखे होने के कारण आग ने इन्हें भी चपेट में ले लिया।

10:35 बजे मिली सूचना, करीब 11 बजे आग पर काबू

फायर ब्रिगेड अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार रात करीब 10:35 बजे आग की सूचना मिली। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब 11 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। आग इमरजेंसी वार्ड तक सीमित रही, लेकिन धुआं अस्पताल के अन्य हिस्सों में फैल गया था। इसके बाद अस्पताल को पूरी तरह खाली करा लिया गया और बिजली सप्लाई बंद कर दी गई।

ड्यूटी बदलने का समय होने से मौके पर पर्याप्त पुलिस बल

एएसआई वीर मणि पांडे के अनुसार, घटना रात करीब 10 बजे के आसपास हुई। इसी दौरान पुलिसकर्मियों की ड्यूटी शिफ्ट बदलने का समय था, इसलिए मौके पर पर्याप्त बल उपलब्ध था। उन्होंने बताया कि पुलिस के करीब 15 जवानों ने मौके पर रेस्क्यू में सक्रिय भूमिका निभाई, जबकि थाने के अन्य स्टाफ ने भी सहयोग किया। समय रहते सभी मरीजों को सुरक्षित निकालकर दूसरे अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया।

हादसे ने उठाए अस्पतालों की फायर सेफ्टी पर सवाल

घटना में जनहानि नहीं होने से बड़ी राहत मिली, लेकिन अस्पताल में आग लगने और धुआं ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने की घटना ने अस्पतालों की फायर सेफ्टी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुठभेड़ में दो इनामी समेत तीन चोर गिरफ्तार, दो लोगों को गोली लगी

फिरोजाबाद : जिले की नारखी थाना एवं थाना मक्खनपुर और एसओजी टीम ने शुक्रवार देर रात मुठभेड़ में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले 25-25 हजार रुपये के दो इनामी बदमाश सहित कुल तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल दो अभियुक्तों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। सीओ टूंडला अरुण कुमार चौरसिया ने बताया कि 18 मार्च को थाना नारखी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम हरीनगर लदपुरा में अज्ञात अभियुक्तों द्वारा घर ताला तोड़कर चोरी की थी। इसके साथ ही थाना मक्खपुर क्षेत्रान्तर्गत 20 अगस्त को ग्राम राजपुर बलाई में घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने चोरी की थी। दोनों घटनाओं के खुलासे के लिए एसओजी एवं थाना नारखी एवं थाना मक्खनपुर पुलिस सहित चार टीमों का गठन किया था। सीसीटीवी फुटेज के गहन विश्लेषण एवं अन्य साक्ष्यों के संकलन के आधार पर की गई विवेचना के दौरान चोरी की घटनाओं में तीन अभियुक्तों अनुज उर्फ अनूप उर्फ मोटा, मिथुन व अंशू की संलिप्तता प्रकाश में आई। उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी थे। वांछित अभियुक्तगण अनुज उर्फ अनूप उर्फ मोटा व मिथुन की गिरफ्तारी पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। उहोंने बताया कि थानाध्यक्ष नारखी राकेश कुमार गिरी, थानाध्यक्ष मक्खनपुर चमन शर्मा पुलिस टीम के साथ शुक्रवार देर रात क्षेत्र में गश्त पर थे, तभी सूचना मिली कि वांछित अभियुक्तगण चोरी किये गये माल को बेचने के लिये मोटर साइकिल से जा रहे हैं। सूचना पर थाना नारखी एवं थाना मक्खनपुर पुलिस तथा एसओजी टीम ने जलेसर पुल सर्विस रोड पर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की तो अभियुक्तों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में दो अभियुक्तों के पैर में गोली लगी, जिन्हे घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने अपना नाम अनुज उर्फ अनूप उर्फ मोटा व मिथुन वेद प्रकाश बताया है। वहीं अन्य एक अभियुक्त मौके से भागने लगा जिसे भाग पर पकड़ लिया गया। उसने अपना नाम अंशू बताया। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किया गया माल, 02 अवैध तमंचे 315 बोर, 05 जिंदा कारतूस 315 बोर, 03 खोखा कारतूस 315 बोर, चोरी की घटनाओं में प्रयुक्त 01 मोटर साइकिल, चोरी का माल बेचकर प्राप्त 10,500 रुपये बरामद हुए हैं। सीओ ने बताया कि घायल अभियुक्तों अनुज उर्फ अनूप उर्फ मोटा व मिथुन को पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। अभियुक्तगणों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पीरपैंती में चीनी मिल स्थापना की तैयारी तेज, जिलाधिकारी ने भेजी 100 एकड़ जमीन की रिपोर्ट

भागलपुर : जिले के गन्ना किसानों के लिए एक बड़ी और सकारात्मक खबर है। भागलपुर जिले के पीरपैंती प्रखंड में चीनी मिल स्थापित करने की दिशा में प्रशासनिक स्तर पर एक बड़ा कदम आगे बढ़ाया गया है। जिला प्रशासन ने चीनी मिल के निर्माण के लिए 100 एकड़ भूमि को चिन्हित कर लिया है और इसकी विस्तृत रिपोर्ट राज्य के ईख विकास विभाग को भेज दी है। भागलपुर की डीएम अलंकृता पांडेय ने इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से चल रही जमीन की तलाश पूरी हो चुकी है और 100 एकड़ का भूखंड फाइनल कर रिपोर्ट विभाग को सौंप दी गई है। अब राज्य मुख्यालय और ईख विकास विभाग की ओर से हरी झंडी मिलते ही मिल की स्थापना और निर्माण की जमीनी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि भागलपुर में एक भी चीनी मिल नहीं है। जिला स्तर पर तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान समय में भागलपुर जिले के भीतर एक भी चीनी मिल संचालित नहीं है। यही वजह है कि राज्य सरकार इस क्षेत्र में नई औद्योगिक इकाई स्थापित करने की संभावनाओं पर लगातार काम कर रही थी। पीरपैंती में मिल खोलने की यह कवायद पिछले कई महीनों से मुख्यालय के निदेशों के बाद स्थानीय प्रशासन द्वारा की जा रही थी। पीरपैंती और उसके सीमावर्ती इलाकों के गन्ना किसानों के लिए यह परियोजना किसी वरदान से कम नहीं है। वर्तमान में स्थानीय स्तर पर मिल न होने के कारण किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूसरे जिलों या सुदूर क्षेत्रों के बाजारों पर निर्भर रहना पड़ता है। गन्ने को दूसरे जिलों में भेजने पर किसानों की जेब पर भारी परिवहन (ढुलाई) खर्च का बोझ पड़ता है। स्थानीय स्तर पर मिल होने से यह खर्च खत्म हो जाएगा। सही समय पर गन्ने की पिराई न होने से फसल सूखने का डर रहता था, जिससे अब राहत मिलेगी। ईख विकास विभाग का अनुमान है कि पीरपैंती में मिल की स्थापना की खबर से किसानों का रुझान इस नकदी फसल की तरफ तेजी से बढ़ेगा। विभाग आने वाले समय में अधिक से अधिक किसानों को गन्ने की खेती से जोड़ने की विशेष योजना तैयार कर रहा है, जिससे आने वाले वर्षों में क्षेत्र में गन्ने की खेती का रकबा काफी बढ़ जाएगा। इस चीनी मिल का प्रभाव केवल कृषि क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह पूरे भागलपुर जिले के औद्योगिक विकास को गति देगा। मिल के निर्माण कार्य से लेकर उसके संचालन, पिराई सत्र के प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में हजारों स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। फिलहाल, जिले के किसानों और व्यवसायियों की नजरें ईख विकास विभाग से मिलने वाली अंतिम मंजूरी पर टिकी हैं।

एक ही रात दो आभूषण दुकानों के शटर तोड़कर लाखों की चोरी, पुलिस जांच में जुटी

मीरजापुर : राजगढ़ थाना क्षेत्र के भावा बाजार में शुक्रवार रात बेखौफ चोरों ने एक ही रात दो सगी भाईयों की आभूषण दुकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के गहने पार कर दिए। चोर चैनल का ताला काटकर दोनों दुकानों के शटर उठाकर अंदर दाखिल हुए और करीब पांच से छह लाख रुपये के आभूषण लेकर फरार हो गए। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में दहशत है और लोगों में पुलिस की कार्यशैली को लेकर नाराजगी भी है। भावा बाजार निवासी अजय सोनी और शिवकुमार सगे भाई हैं और दोनों की आमने-सामने आभूषण की दुकानें हैं। अजय सोनी के अनुसार, शुक्रवार शाम दोनों भाई रोज की तरह दुकानें बंद कर घर चले गए। आधी रात में चोरों ने बाजार में धावा बोला। चैनल का ताला काटने के बाद दोनों दुकानों के शटर उठाकर चोर अंदर घुसे और आभूषण लेकर फरार हो गए। शनिवार सुबह अजय की नींद खुली तो दुकान का शटर टूटा और अंदर सामान बिखरा देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने परिजनों को सूचना दी। शिवकुमार की दुकान का शटर भी टूटा मिला और वहां भी चोरी हुई थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य बिंदुओं पर जांच कर रही है। थाना प्रभारी बालमुकुंद मिश्रा ने बताया कि भावा बाजार में दो आभूषण दुकानों में चोरी की सूचना मिली है। पुलिस और फोरेंसिक टीम जांच कर रही है और चोरी के खुलासे के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। लगातार चोरी से लोगों में भय क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में भय का माहौल है। बुधवार रात ही पतेरी गांव निवासी रितेश सिंह के घर से चोर करीब 15 लाख रुपये के आभूषण चोरी कर ले गए थे। इससे पहले 29 जून को हिनौता गांव निवासी रवीश कुमार शुक्ल के घर दिनदहाड़े ताला तोड़कर करीब 10 लाख रुपये के आभूषण चोरी हुए थे। एक सप्ताह पहले नदिहार बाजार निवासी पारस यादव के घर से इनवर्टर और बैटरी चोरी हुई थी।

प्रदेश विधानसभा में वंदे मातरम के विरोध पर कांग्रेस देश से माफी मांगे : बिंदल

एजेंसी

शिमला : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा में संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन को लेकर कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन का विरोध कर स्वतंत्रता सेनानियों और देश के लिए बलिदान देने वाले लोगों की भावनाओं का अपमान किया है।

डॉ. बिंदल ने शनिवार को कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं था। यह आजादी के आंदोलन के दौरान देशभक्ति और संघर्ष का प्रमुख उद्घोष रहा। उन्होंने कहा कि अनेक स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों ने वंदे मातरम् का उद्घोष करते हुए अंग्रेजी शासन का सामना किया और कई लोगों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आजाद भारत में कांग्रेस की ओर से संपूर्ण

वंदे मातरम् के गायन का विरोध किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि उसे संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन से आपत्ति क्यों है। बिंदल ने कांग्रेस पर वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश ने विभाजन की त्रासदी झेली है और उसके घाव आज भी इतिहास का पीड़ादायक अध्याय हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इतिहास से सबक लेने के बजाय राजनीतिक हितों को राष्ट्रीय गौरव से जुड़े विषयों से ऊपर रखा है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् भारत के स्वतंत्रता संग्राम से गहराई से जुड़ा है और इसने आजादी के आंदोलन में लोगों के बीच राष्ट्रभक्ति की भावना मजबूत करने का काम किया। बिंदल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा जैसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक मंच पर वंदे मातरम् के सम्मान को लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए। बिंदल ने कहा कि वंदे मातरम् किसी एक राजनीतिक दल का नहीं है। यह देश और मातृभूमि के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गौरव से जुड़े विषय राजनीतिक दलों की सुविधा या वोट बैंक के आधार पर तय नहीं किए जाने चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस से विधानसभा में अपनाए गए रुख पर पुनर्विचार करने और देशवासियों की भावनाओं का सम्मान करने को कहा। बिंदल ने कहा कि भाजपा संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन के विरोध में कांग्रेस के रुख की कड़े शब्दों में निंदा करती है और कांग्रेस को इस मुद्दे पर देश से माफी मांगनी चाहिए।

असम : भारी मात्रा में हेरोइन जब्त, चार तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (असम) : कामरूप (ग्रामीण) ज़िले में नगरबेरा पुलिस स्टेशन के तहत कल्याणपुर में नशीले पदार्थों के खिलाफ पुलिस टीम द्वारा चलाए गए एक अभियान के दौरान चार लोगों को पकड़ा गया और भारी मात्रा में हेरोइन जब्त की गई। बोको-छयगांव के सीडीएसपी और एपीएस जानकिशोर गोगोई से मिली जानकारी के आधार पर, एसआई चंपक कलिता (आईसी तुपामारी आउट पोस्ट) की अगुवाई में एक पुलिस टीम ने एसआई हरजीत दास (ओसी नगरबेरा पुलिस स्टेशन) और अन्य कर्मियों के साथ मिलकर बीती देर रात कल्याणपुर में एक घर की तलाशी अभियान चलाया। यह तलाशी स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में चलाया गया। अभियान के दौरान, पुलिस ने दो कंटेनरों से 21 ग्राम संदिग्ध हेरोइन (कुल वजन 72 ग्राम) और 30 भरी हुई शीशियों से 25 ग्राम संदिग्ध हेरोइन (कुल वजन 55 ग्राम) बरामद की। टीम ने 157 खाली कंटेनर/शीशियां, चार मोबाइल फोन और 3,240 रुपये नकद भी जब्त किए। पकड़े गए लोगों की पहचान जाहादुल इस्लाम, जमीरन नेसा और तोहिनुल अली (सभी नगरबेरा पुलिस स्टेशन के तहत कल्याणपुर के निवासी) और धुबड़ी ज़िले के बिलासीपारा निवासी मो. जमाल बादशाह के तौर पर हुई है।

नई दिल्ली में नौ अक्टूबर को होगी राजस्थानी लोक नृत्य एवं चित्रकला प्रतियोगिता

एजेंसी

नई दिल्ली : नई दिल्ली स्थित रशियन सेंटर ऑफ साइंस एंड कल्चर में नौ अक्टूबर को 34वीं राजस्थानी लोक नृत्य प्रतियोगिता, 10वें सुभाष लखोटिया श्रवण कुमार पुरस्कार और 14वीं राजस्थानी चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। यह जानकारी राजस्थानी अकादमी के अध्यक्ष डॉ. गौरव गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि राजस्थानी लोक नृत्य प्रतियोगिता के माध्यम से राजस्थान के विभिन्न अंचलों की लोकनृत्य परम्पराओं को राष्ट्रीय राजधानी में प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से राजस्थान की विविध लोक संस्कृतियों, वेशभूषाओं, लोकधुनों और पारम्परिक नृत्य शैलियों की मनोहारी झलक प्रस्तुत करेंगे। इससे दिल्ली में रह रहे प्रवासी राजस्थानी परिवारों के साथ-साथ अन्य राज्यों के कला प्रेमियों को भी राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर आयोजित होने वाली 14वीं राजस्थानी चित्रकला प्रतियोगिता में भी कलाकार राजस्थान की लोकजीवन परम्पराओं, ग्रामीण परिवेश, लोकदेवताओं, मेला-त्योहारों और सांस्कृतिक विरासत को अपनी कला के माध्यम से कैनवास पर उकेरेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा और उभरते चित्रकारों को प्रोत्साहित करना तथा राजस्थानी कला की विशिष्ट शैली को व्यापक मंच प्रदान करना है।

नेपाल में फिर मानसून हुआ सक्रिय, कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना

काठमांडू : नेपाल के मौसम पूर्वानुमान महाशाखा ने देश में एक बार फिर मानसून के सक्रिय होने की जानकारी देते हुए कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम महाशाखा की ओर से शनिवार सुबह जारी बुलेटिन के अनुसार, दोपहर में देशभर में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। देश के पहाड़ी क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी बारिश की संभावना है। कोशी, बागमती, गंडकी, लुंबिनी और सुदूरपश्चिम प्रदेश के तराई क्षेत्रों के कुछ स्थानों तथा मधेस प्रदेश के कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है।

विदेश में रह रहे मतदाताओं को मतदान अधिकार के लिए कानून बनाने का नेपाल के गृहमंत्री का आग्रह

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुंग ने विदेश में रह रहे तथा अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर रहने वाले मतदाताओं को मतदान का अधिकार देने के लिए आवश्यक कानूनी प्रावधान प्रस्तावित विधेयक में शामिल करने का आग्रह किया है। निर्वाचन आयोग के साथ निर्वाचन प्रबंधन विधेयक के मसौदे और चुनाव सुधार को लेकर हुई चर्चा के दौरान उन्होंने यह आग्रह किया। गृहमंत्री गुरुंग ने इसी के

अनुरूप तकनीकी तैयारियां शुरू करने के लिए भी निर्वाचन आयोग से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार विदेश में रह रहे नेपाली नागरिकों को मतदान का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। गुरुंग ने कहा कि पिछले चुनावों में ही सरकार का पूरा प्रयास था कि विदेशों में रह रहे नेपाली नागरिकों को मतदान का अधिकार मिले लेकिन उस समय कुछ तकनीकी कारणों से यह संभव नहीं हो पाया। उन्होंने पिछली बार के चुनाव में सामने आई समस्याओं के समाधान के लिए निर्वाचन आयोग से आवश्यक कदम उठाने को कहा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त मानबहादुर कार्की ने बताया कि इस व्यवस्था के लिए कानूनी, संस्थागत और तकनीकी तैयारियां शुरू की जा चुकी हैं। उन्होंने इसके लिए आवश्यक संसाधन और जनशक्ति सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद जताई। कार्की ने कहा कि चुनाव की स्वच्छता, स्वतंत्रता और निष्पक्षता को और मजबूत करने तथा आम मतदाताओं की इच्छा के अनुरूप चुनाव की प्रक्रिया और प्रणाली में सुधार करने के लिए आयोग सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से हुई मुख्यमंत्री साय की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली/रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपने दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार की देर शाम केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय मंत्री नड्डा से उनके स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं के विस्तार तथा केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति को लेकर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने मुलाकात में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में किए

जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का विशेष फोकस इस बात पर है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को उसके निकट ही गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो। इसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं तक स्वास्थ्य तंत्र को लगातार मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा सहित प्रदेश के दूरस्थ, वनांचल एवं जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भौगोलिक परिस्थितियों के कारण दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण चुनौती रही है। राज्य सरकार इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार, चिकित्सकीय सेवाओं की उपलब्धता और आधुनिक उपचार सुविधाओं तक लोगों की पहुंच आसान बनाने की दिशा में प्राथमिकता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा को प्रदेश में केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संस्थागत प्रसव, गंभीर बीमारियों के उपचार, स्वास्थ्य बीमा और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में व्यापक बदलाव आया है। आयुष्मान भारत सहित केंद्र सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से जरूरतमंद परिवारों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने में बड़ी मदद मिली है। छत्तीसगढ़ सरकार भी केंद्र की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में हजारीबाग में मौन जुलूस आज

हजारीबाग : जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में अनियमितता को लेकर रिफॉर्म मंच आज (22 अगस्त) शाम मौन जुलूस निकालेंगे। मंच ने मौन जुलूस में शामिल होने के लिए छात्रों, युवकों व आम लोगों से अपील की है। रिफॉर्म का कहना है कि रांची, हजारीबाग व गिरिडीह में शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। झामुमो के कार्यकर्ताओं ने भी छात्रों पर हमला किया है।

वनांचल शिशु + 2 उच्च विद्यालय रूपलाल नगर बरवाडीह में टर्म 1 परीक्षा का परिणाम घोषित

मरकच्चो: वनांचल शिशु + 2 उच्च विद्यालय रूपलाल नगर बरवाडीह में टर्म 1 परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया जिसमें सभी विद्यार्थी एवं सभी अभिभावक उपस्थित हुए और विद्यार्थियों को परीक्षाफल के प्रमाण पत्र साथ. साथ उन्हें पुरस्कृत भी किया गया जिसमें से प्रत्येक क्लास के विद्यार्थी अपने कक्ष में अलग. अलग स्थान को प्राप्त किया जो नीचे दिया गया नाम कक्षा दशम में प्रथम प्राची गुप्ता दरदाही , द्वितीय- शीतल बरनवाल डेब्वा, तृतीय लव कुमार डेब्वा, कक्षा नवम में प्रथम -सागर ठाकुर लालगढ़, द्वितीय संध्या रानी कदोडीह, तृतीय गौतम यादव कारिखोखो, अष्टम कक्षा में प्रथम प्रिया कुमारी-कारिखोखो, द्वितीय सागर गुप्ता- गगरेसिंघा, तृतीय सचिन ठाकुर -महुगाई, सप्तम कक्षा से प्रथम सचिन यादव- डैनिबाद द्वितीय सोनाली कुमारी -डेबवा, तृतीय कोमल कुमारी -डेबवा, षष्टम कक्षा से प्रथम कुणाल राणा - राजारायडीह, द्वितीय खुशबु कुमारी- डेबवा, तृतीय अलिजा हसन- महुगाई, पंचम कक्षा से प्रथम लक्ष्मी कुमारी- गैरागी, द्वितीय अंकित राणा- डेबवा, तृतीय कक्षा सत्यम कुमार- ढाब, चतुर्थ कक्षा से प्रथम ऋतिका रानी- बरवाडीह, द्वितीय सोनाक्षी रानी -पुरानानगर, तृतीय सृष्टि कुमारी- योगीडीह, तृतीय कक्षा से प्रथम संजना कुमारी -गैरागी, द्वितीय प्रियल कुमारी -डेबवा, तृतीय रजनी कुमारी -डेबवा, द्वितीय कक्षा से प्रथम -अरीजा नवाज खान- महुगाई, द्वितीय सृष्टि कुमारी- डेबवा, तृतीय सोरिया दास- महुगाई, प्रथम कक्षा से प्रथम स्थान ऋतिक राजहंस -बरवाडीह, द्वितीय दानिश इकबाल -महुगाई, तृतीय आस्था दास -बरवाडीह। विद्यालय के निर्देशक और प्राचार्य महोदय ने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हए सभी शिक्षक एवं अभिवाक को धन्यवाद देते हुवा कहे आपके योगदान से ही विद्यार्थियों की परीक्षा फल सफल रहा।

उल्लेखनीय है कि छात्रों के आंदोलन को देखते हुए सरकार ने नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। लेकिन हाईकोर्ट ने सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके बाद सरकार ने जिन्हें नौकरी से हटाया था, उन सभी ने दोबारा योगदान दे दिया है। इन घटनाक्रमों के बाद छात्रों ने कहा था कि उन्हें धोखा दिया गया है। वह फिर से आंदोलन करेंगे। आंदोलन के पहले दिन 21 अगस्त को छात्रों ने सभी जिलों में मुख्यमंत्री का पुतला दहन कार्यक्रम किया। इस दौरान रांची व हजारीबाग में छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया। जबकि गिरिडीह में झामुमो के कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन करने पहुंचे छात्रों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। अब इसके विरोध में छात्रों ने आज मौन जुलूस निकलाने का फैसला लिया है।

डुमरी एमएलए और मुखिया समर्थकों के बीच थाना परिसर में मारपीट, मुखिया पुत्र ने लगाया गला दबाने का आरोप लगाया है । मामला बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के बड़ापिछरी पंचायत से जुड़ा है। पंचायत की मुखिया यशोदा देवी ने ग्रामीण गणेश दास पर उनके फर्जी हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर जाति, आवासीय प्रमाणपत्र और वंशावली बनवाने का आरोप लगाया था। इस संबंध में बरवाअड्डा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। डुमरी एमएलए और मुखिया समर्थकों के बीच थाना परिसर में मारपीट, मुखिया पुत्र ने लगाया गला दबाने का आरोप है।

डुमरी विधायक जयराम भी मौके पर मौजूद : बरवाअड्डा थाना परिसर में शुक्रवार देर शाम फर्जी हस्ताक्षर से जाति, आवासीय प्रमाणपत्र और वंशावली बनवाने के मामले में जमकर बवाल हुआ। मामले में गिरफ्तार आरोपी की पैरवी करने पहुंचे डुमरी विधायक जयराम महतो और मुखिया समर्थकों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि थाना परिसर में ही दोनों पक्षों के बीच हाथापाई हो गई। घटना के बाद मुखिया के बेटे प्रदीप कुमार रजक ने विधायक जयराम महतो पर जान से मारने की नीयत से गला दबाने का आरोप लगाया है। प्रदीप का आरोप है कि विवाद के दौरान विधायक ने उनका गला दबाने की कोशिश की। इससे उनके गले से खून निकलने लगा और कुछ समय के लिए सांस लेने में भी परेशानी हुई। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की जांच थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर कराने की मांग की है।

विधायक और मुखिया के समर्थकों के बीच हाथापाई : मामला बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के बड़ापिछरी पंचायत से जुड़ा है। पंचायत की मुखिया यशोदा देवी ने ग्रामीण गणेश दास पर उनके फर्जी हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर जाति, आवासीय प्रमाणपत्र और वंशावली बनवाने का आरोप लगाया था। इस संबंध में बरवाअड्डा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने मामले के आरोपी गणेश दास को पकड़कर थाना लाया था। इसी दौरान उसके समर्थन में जेएलकेएम नेताओं ने डुमरी विधायक जयराम महतो को सूचना दी। आरोप लगाया गया कि थाने में गणेश दास के साथ मारपीट की जा रही है। इसके बाद विधायक ने फोन पर थाना प्रभारी से नाराजगी जताई और बाद में स्वयं बरवाअड्डा थाना पहुंच गए।

जमीन विवाद को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट, कई घायल

बंदूक और धारदार हथियार लहराने का आरोप

मेट्रो रेज

खूंटी: खूंटी थाना क्षेत्र के बेलाहाथी स्थित परसा टांड़ में शुक्रवार की दोपहर जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना में दोनों पक्षों के कई लोगों के घायल होने की सूचना है। घायलों को इलाज के लिए खूंटी सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, दोनों पक्षों की ओर से खूंटी थाना पहुंचकर अलग-अलग शिकायत देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। बताया गया कि शुक्रवार को अपराह्न करीब दो बजे एक पक्ष के लोग विवादित जमीन पर जेसीबी मशीन लेकर पहुंचे थे। उनका दावा है कि उन्होंने उक्त जमीन खरीदी है और जमीन की रसीद भी कट रही है। जमीन से संबंधित कागजात लेकर वे वहां साफ-सफाई एवं अन्य कार्य कराने पहुंचे थे। इसकी जानकारी मिलने पर दूसरे पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंच गए। उनका कहना था कि जमीन उनकी खातियानी जमीन है। मौके पर दोनों पक्षों के बीच जमीन के स्वामित्व को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते विवाद और मारपीट में बदल गई। घटना के दौरान मौके पर काफी संख्या में लोग जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद भीड़ को तितर-बितर किया गया। मारपीट की घटना में बेलाहाथी निवासी सुरेंद्र सिंह, बलिंद्र सिंह और श्याम सिंह, तीनों सगे भाई, घायल हुए हैं। तीनों के माथे पर गंभीर चोट आने की बात बताई जा रही है। सुरेंद्र सिंह की स्थिति गंभीर बताई गई है। उनका इलाज खूंटी सदर अस्पताल में चल रहा है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किए जाने की बात कही जा रही थी। वहीं, दूसरे पक्ष के उमाशंकर साहू ने भी मारपीट में चोट लगने का आरोप लगाया है। घटना के दौरान विवादित जमीन पर बंदूक, दौली समेत अन्य धारदार हथियार लहराए जाने के आरोप भी सामने आए हैं। हालांकि, इन आरोपों की पुलिस स्तर से अभी पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। घायल सुरेंद्र सिंह, बलिंद्र सिंह और श्याम सिंह के पक्ष का आरोप है कि उनकी फुआ कोहरमनी कुमारी, जो शारीरिक और मानसिक रूप से दिव्यांग हैं, से गलत तरीके से जमीन लिखवा ली गई है। इस जमीन को लेकर न्यायालय में मामला विचाराधीन होने का भी दावा किया गया है। उनका आरोप है कि इसी बीच डिम्बा, लापुंग निवासी उमाशंकर, करंज (गुमला) निवासी पंकज साव, तोरपा रोड निवासी विनय राम, बेलवादाग निवासी आशीष, हुटार निवासी राहुल कश्यप, बेलवादाग निवासी दशरथ राम समेत करीब 30 से 40 लोग जमीन पर पहुंचे और जेसीबी से काम शुरू कर दिया। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट और जानलेवा हमला किए जाने का आरोप लगाया गया है। वहीं, दूसरे पक्ष के उमाशंकर साहू ने इन आरोपों को खारिज करते हुए बताया कि उन्होंने करीब ढाई एकड़ जमीन तीन अलग-अलग महिलाओं के नाम से खरीदी है। उनके अनुसार जमीन का दाखिल-खारिज भी हो चुका है। वे मजदूरों को लेकर जमीन की साफ-सफाई कराने पहुंचे थे। इसी दौरान बेलाहाथी निवासी सुरेंद्र सिंह, बलिंद्र सिंह, श्याम सिंह समेत चार-पांच अन्य लोगों ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें भी चोट लगी। खूंटी थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दोनों पक्षों की ओर से शिकायत दिए जाने की बात सामने आई है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और विवादित जमीन से जुड़े दस्तावेजों के साथ-साथ दोनों पक्षों के आरोपों की भी पड़ताल की जा रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस मामले पर नजर बनाए हुए है।

चक्रधरपुर के तीन युवा जिम्नास्टों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

संवाददाता

चक्रधरपुर: चक्रधरपुर एवं पश्चिमी सिंहभूम के लिए गौरव का क्षण है। शेरशाह जिम्नास्टिक्स हॉल, चक्रधरपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे तीन युवा जिम्नास्टों का चयन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए हुआ है।

चयनित जिम्नास्टों में शामिल हैं—

1। कोमल पोखरेल – कक्षा 9 एसई। रेलवे मिक्स्ड हायर सेकेंडरी स्कूल, चक्रधरपुर

2। अर्नव डे – कक्षा 6 एसई। रेलवे मिक्स्ड हायर सेकेंडरी स्कूल, चक्रधरपुर

3। नीलाद्रि रे – कक्षा 7 **एसई। रेलवे मिक्स्ड हायर सेकेंडरी स्कूल, चक्रधरपुर :** इन तीनों खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय स्कूली खेल चयन प्रतियोगिता 2026-27 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर के लिए अपनी जगह बनाई। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 12 अगस्त 2026 को खेलगांव, रांची में किया गया था।

तीनों जिम्नास्टों ने शेरशाह जिम्नास्टिक्स हॉल, चक्रधरपुर में प्रशिक्षक जितेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उनकी सफलता के पीछे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, प्रशिक्षक का समर्पण, अभिभावकों का सहयोग और नियमित अभ्यास महत्वपूर्ण रहा है। पश्चिमी सिंहभूम जिला जिम्नास्टिक्स एसोसिएशन की अध्यक्ष सुहृता रॉय ने तीनों खिलाड़ियों को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

तीनों खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन चक्रधरपुर, पश्चिमी सिंहभूम और झारखंड के लिए गर्व का विषय है। उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

राजकीय श्रावणी मेला 2026 का 24वां दिन

'बोल बम' के जयघोष से गुंजायमान हुई बाबा नगरी, भोर से ही कतारबद्ध शिवभक्त कर रहे हैं जलार्पण

विनय मिश्रा

देवघर: राजकीय श्रावणी मेला, 2026 के 24वें दिन आज देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। प्रातः 04:13 बजे जैसे ही मंदिर के गर्भगृह के पट खुले, वैसे ही पूरे अनुशासन और भक्ति भाव के साथ शिवभक्तों का जलार्पण शुरू हो गया। केसरिया रंग में रंगी पूरी रूट लाइनःसुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल लेकर पहुंचे कांवरियों के उत्साह के आगे सुबह की थकान कहीं नजर नहीं आई। बीएडी कॉलेज से लेकर मंदिर परिसर तक की पूरी रूट लाइन शिवभक्तों की गूंज से गुंजायमान है। लाखों की संख्या में कतारबद्ध होकर कांवरिया निरंतर 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' का जयघोष करते हुए बाबा मंदिर की ओर आगे बढ़ रहे हैं। पूरा मेला क्षेत्र केसरिया रंग में सराबोर नजर आ रहा है। इसके अलावा कांवरियों की सुगम और सुरक्षित जलार्पण यात्रा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। रूट लाइन में सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ-साथ पेयजल, स्वास्थ्य शिविर, और कतार प्रबंधन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों व दंडाधिकारियों द्वारा नियंत्रण कक्ष से लगातार भीड़ की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

वरिष्ठ नागरिक दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

झिंकपानी के संचार वृद्ध आश्रम और गोईलकेरा में जगारूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

चाईबासा: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डीएल एसए चाईबासा मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चाईबासा द्वारा आज विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर

झींकपानी स्थित संचार वृद्धाश्रम परिसर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार रवि चौधरी ने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और संरक्षण के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत बच्चे अगर देखभाल नहीं करते हैं तो वरिष्ठ नागरिक कोर्ट में भरण-पोषण और अपनी संपत्ति वापस लेने के लिए आवेदन दे सकते हैं। निःशुल्क कानूनी सहायताः उन्होंने कहा कि सभी वरिष्ठ नागरिकों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा निःशुल्क अधिवक्ता, कानूनी सलाह और अदालत में पैरवी की सुविधा दी जाती है। नालसा की योजनाः वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष हेल्पलाइन 15100 पर कॉल कर-के किसी भी कानूनी, स्वास्थ्य या उत्पीड़न संबंधी समस्या का समाधान पा सकते हैं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृद्धजन समाज की धरोहर है हमें उनका सम्मान किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारी ने भी वृद्धावस्था में स्वास्थ्य देखभाल और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं जैसे वृद्धा पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर प्राधिकार के द्वारा जिला प्रशासन की मदद से वृद्धजनों के लिए बेडशीट, मच्छरदानी सहित आवश्यक सामग्रियों का वितरण भी किया गया और उनके भोजन की विशेष व्यवस्था भी की गई।

प्राधिकार के माध्यम से उनकी चिकित्सीय देखभाल कर उचित सलाह दी गई। इस दौरान कई वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं और मौके पर ही कानूनी सलाह दी गई। कार्यक्रम में पीएलव एवं बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

टाटानगर स्टेशन पार्किंग विवाद

मारपीट में तीन युवक घायल, पुलिस ने अस्पताल से मांगी मेडिकल रिपोर्ट

संवाददाता

जमशेदपुरः बमार्माइंस थाना क्षेत्र के टाटानगर रेलवे स्टेशन पार्किंग में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि बात हाथापाई और मारपीट तक पहुंच गई। आरोप है कि पार्किंग कर्मचारी और एक ऑटो चालक ने कोलकाता से ट्रेनिंग पूरी कर लौट रहे तीन युवकों के साथ मारपीट की है।

युवक को हाथ में लगी चोट : मारपीट में तीन युवक घायल

पुलिस के अनुसार, घटना में फुरकान अली (18), मो जलरियान शहजादा (20) और हेमंत सिंह (20) घायल हुए हैं। फुरकान अली कीताडीह के रहने वाले हैं। जबकि मो जलरियान शहजादा गोलमुरी और हेमंत सिंह परसुडीह प्रमोद नगर के रहने वाले बताए गए हैं।

पुलिस ने जांच रिपोर्ट देने का किया अनुरोधः बमार्माइंस थाना की पुलिस ने सदर अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी को पत्र भेजा है। पत्र में तीनों घायलों का इलाज करने और उसकी जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। यह रिपोर्ट मामले की आगे की पुलिस कार्रवाई में उपयोगी होगी। पत्र में फुरकान अली के सिर से खून बहने और हाथ में चोट लगने की बात कही गई है। वहीं, अन्य दोनों घायलों के पूरे शरीर में चोट और दर्द की बात लिखी गई है।

बरवाअड्डा थाना में विधायक जयराम महतो और मुखिया समर्थकों में भिड़त

फर्जी हस्ताक्षर से प्रमाणपत्र बनाने को लेकर मारपीट-हंगामा

संवाददाता

धनबाद: बरवाड्डा थाना में शुक्रवार रात विधायक जयराम महतो और मुखिया यशोदा देवी के समर्थकों के बीच विवाद हो गया। हंगामा बढ़ने पर दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट भी हुई। घटना में मुखिया का बेटा घायल हो गया है। हंगामे के दौरान मौके पर विधायक जयराम महतो और पुलिसकर्मियों के बीच बहस हुई। घटना में मुखिया के पुत्र प्रदीप कुमार रजक के घायल होने की बात सामने आई है। मामले ने अब राजनीतिक विवाद के साथ-साथ कथित मारपीट और जातिसूचक शब्दों के प्रयोग का रूप ले लिया है।

बडापिछरी पंचायत की मुखिया यशोदा का आरोप है कि उनके गांव के गणेश दास जो जेएलकेएम एससी मोर्चा के सचिव है, उन्होंने उनका फर्जी हस्ताक्षर कर प्रमाण पत्र बनाया है। इस मामले में बरवाअड्डा थाना में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को थाने में सुनवाई के लिए बुलाया, लेकिन वह नहीं आया। इस पर एसआई मीनू कुमारी आरोपी को नोटिस देने उसके घर गयी, तो आरोपी व उसके परिवार के लोग उनसे उलझ गये। उन लोगों ने पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की भी की। इस क्रम में पुलिस आरोपी गणेश दास को पकड़ कर थाना ले आयी।

इस तरह बढ़ा विवादः पुलिस के अनुसार, आरोपी को थाना स्तर पर नहीं छोड़ने पर जेएलकेएम के नेता और समर्थकों ने विधायक जयराम महतो को फोन कर दिया। बाद में समर्थकों ने विधायक को बताया कि उनके द्वारा थाना प्रभारी रवि कुमार को फोन कर गणेश दास को छोड़ने के लिए कहने पर पुलिस कर्मी भड़क गये हैं और आरोपी गणेश दास की थाने में जमकर पिटाई की जा रही है। सूचना पाकर जयराम महतो समर्थकों के साथ थाना पहुंचे। यहां पर पुलिस पर गणेश दास से मारपीट का आरोप लगाते हुए इसका कारण पूछने लगे। लगभग डेढ़ घंटे तक बहस हुई।